- 19th Year
- Issue: 268
- 05.02.2026 (THURSDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

लोकसभा में विपक्ष का भारी हंगामा, पीएम मोदी का भाषण टला, कार्यवाही स्थगित

नयी दिल्ली ०४/०२ (संवाददाता): केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के कारण बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शाम 5 बजे लोकसभा में भाषण देना था, लेकिन उनका भाषण अब स्थगित कर दिया गया है। सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, विपक्ष ने पिछले दो दिनों से लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चल रही चर्चा में बाधा डाली, जिससे बहस नहीं हो सकी। हंगामे के बावजूद, प्रधानमंत्री के उत्तर का कार्यक्रम अपरिवर्तित रहा।

हालांकि, अब बुधवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिक्रिया में देरी हुई ज्योंकि विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच सदन को 5 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया गया था, इससे एक दिन पहले ही आठ सांसदों को बार-बार व्यवधान डालने के लिए निलंबित कर दिया गया था। मंगलवार को सदन स्थगित होने के बाद, राजनाथ सिंह, किरेन रिजिजू, प्रल्हाद जोशी, धर्मेंद्र प्रधान और अर्जुन मेघवाल सहित वरिष्ठ मंत्रियों ने अध्यक्ष ओम बिरला से लंबी बैठक की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रधानमंत्री बुधवार शाम को तय समय पर अपना जवाब दें।

सरकार ने अध्यक्ष से अन्य विपक्षी दलों से भी बातचीत करने का आग्रह किया है, जिनमें से कुछ कांग्रेस द्वारा सदन को बंधक बनाने से कथित तौर पर नाराज हैं।सरकार ने अध्यक्ष से अन्य विपक्षी दलों से भी बातचीत करने का आग्रह किया है, जिनमें से कुछ कांग्रेस द्वारा सदन को बंधक बनाए रखने से कथित तौर पर नाखुश हैं।

मंगलवार को सरकार और विपक्ष के बीच टकराव में तीव्र वृद्धि के बाद ये घटनाक्रम सामने आए हैं, जब आठ सांसदों (सात कांग्रेसी और एक सीपीआई (एम)) को सदन अध्यक्ष द्वारा अनुशासनहीन व्यवहार करार दिए जाने के कारण बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया।

निलंबन तब हुआ जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लगातार दूसरे दिन पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के 2020 के भारत-चीन संघर्ष पर लिखे गए एक अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देने वाले लेख को उद्धृत करने से रोक दिया गया। गांधी ने बाद में अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर इस फैसले का विरोध किया और इसे हमारे लोकतंत्र पर धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि यह पहली बार था जब विपक्ष के किसी नेता को धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

ईसी का कड़ा रुख-पश्चिम बंगाल सरकार को अल्टीमेटम, 9 फरवरी तक अनुपालन के निर्देश

नयी दिल्ली ०४/०२ (संवाददाता): भारत निर्वाचन आयोग (ईसी) ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा चुनाव संबंधी निर्देशों की कथित अनदेखी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। आयोग ने एक कड़ा पत्र जारी करते हुए राज्य सरकार को आगाह किया है कि बार-बार याद दिलाने के बावजूद कई महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। अब आयोग ने राज्य सरकार को इन निर्देशों के समयबद्ध अनुपालन के लिए 9 फरवरी 2026 तक की अंतिम समय सीमा दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुज्य सचिव को भेजे गए पत्र में निर्वाचन आयोग ने कहा कि बार-बार याद दिलाने के बावजूद पहले जारी किए गए कई निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। आयोग ने बताया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), दो सहायक ईआरओ (एईआरओ) और एक डेटा एंट्री ऑपरेटर के खिलाफ अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। इस संबंध में आयोग ने पांच अगस्त 2025 और दो जनवरी 2026 को भेजे गए अपने पत्रों का भी उल्लेख किया। आयोग ने यह भी कहा कि बशीरहाट-2 की एईआरओ और प्रखंड विकास अधिकारी सुमित्रा प्रतिम प्रधान को निलंबित नहीं किया गया है, जबकि उन पर वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अपनी मर्जी से 11 अतिरिक्त एईआरओ की अनधिकृत तैनाती का आरोप है।निर्वाचन आयोग ने बताया कि 25 जनवरी 2026 के पत्र के जरिए 48 घंटे में अनुपालन करने के लिए कहा गया था। यह 21 सितंबर 2000 के उच्चतम न्यायालय के आदेश तथा 31 मई 2023 को जारी आयोग के निर्देशों का उल्लंघन है। इसके अलावा आयोग ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर 27 अज्टूबर 2025 को जारी उसके निर्देशों के उल्लंघन के बावजूद तीन मतदाता सूची पर्यवेक्षकों अश्विनी कुमार यादव, रणधीर कुमार और स्मिता पांडे के तबादले अब तक रद्द नहीं किए गए हैं।इस संबंध में 27 जनवरी 2026 को भेजे गए पत्र में 28 जनवरी को अपराह्न तीन बजे तक निर्देश का पालन करने के लिए कहा गया था।

भाजपा में गए रवनीत सिंह बिट्टू को राहुल गांधी ने कहा गद्दार, मिला देश का दुश्मन वाला जवाब

नयी दिल्ली०४/०२ (संवाददाता): लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच बुधवार को संसद के बाहर तीखी बहस हुई, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिट्टू को गद्दार तक कह दिया। संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस सांसदों के पास से गुजरते हुए राहुल गांधी ने रवनीत बिट्टू को गद्दार कहा। राहुल गांधी का यह गद्दार वाला बयान तब आया जब रवनीत बिट्टू ने 2024 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने का फैसला किया था।गांधी ने कहा कि देखो, एक गद्दार मेरे सामने से गुजर रहा है। उसका चेहरा देखो। कांग्रेस नेता ने उनसे हाथ मिलाने की पेशकश करते हुए कहा कि नमस्ते भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस (कांग्रेस में) आओगे। केंद्रीय राज्य मंत्री ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और राहुल गांधी को देश के दुश्मन कहा। यह तीखी बहस तब शुरू हुई जब रवनीत बिट्टू ने विरोध कर रहे सांसदों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि ये ऐसे बैठे हैं जैसे इन्होंने कोई युद्ध जीत लिया हो।

आज सुबह, बजट सत्र के दौरान एक दिन पहले आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्षी सदस्यों द्वारा जोरदार नारेबाजी के बीच लोकसभा को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मीडिया से बात करते हुए यही आरोप लगाया था।

निलंबित सांसदों में कांग्रेस सदस्य हिबी ईडन, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, प्रशांत यदाओराव पाडोले, चमाला किरण कुमार रेड्डी और डीन कुरियाकोस के साथ-साथ सीपीआई (एम) सांसद एस वेंकटेशन भी शामिल हैं।

जामनगर एयरबेस पर गरजे दक्षिण कोरियाई फाइटर जेट्स

नयी दिल्ली ०४/०२ (संवाददाता): दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडज़्ल्यूएसी) ने बताया कि भारतीय वायु सेना ने जामनगर में पारगमन के दौरान ज़्लैक ईगल्स एरोबेटिक टीम के नौ टी-50बी विमानों और एक सी-130 सहित दक्षिण कोरियाई वायु सेना के दल को सहायता प्रदान की। एक पोस्ट में लिखा गया है, शुभ लैंडिंग। जय हिंद। सऊदी अरब के सैन्य उद्योग प्राधिकरण द्वारा स्थापित, विश्व रक्षा प्रदर्शनी 2026 विश्व भर के तकनीकी विकास के माध्यम से रक्षा एकीकरण के भविष्य को प्रदर्शित करेगी। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा समुदाय से जुड़ें और अद्वितीय नेटवर्किंग, विश्व स्तरीय प्रदर्शनी सुविधाओं और गतिशील लाइव प्रदर्शनों का भरपूर अनुभव करें। विश्व रक्षा प्रदर्शनी का तीसरा संस्करण 8 से 12 फरवरी तक आयोजित होने जा रहा है, जिसका आयोजन दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक, राजा सलमान बिन अज़्दुलअज़ीज़ अल सऊद के शाही संरक्षण में किया जा रहा है। उन्नत प्रदर्शनी सुविधाओं की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हुए, विश्व रक्षा प्रदर्शनी 2026 का उद्घाटन महामहिम राजकुमार खालिद बिन सलमान बिन अज़्दुलअज़ीज़ अल सऊद, रक्षा मंत्री और ़व्रस्ब्ध के निदेशक मंडल के उपाध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

मणिपुर में नई सरकार का आगाज: शपथ ग्रहण के तुरंत बाद पहली कैबिनेट बैठक, भाजपा को मिला भारी समर्थन

इंफाल ०४/०२ (संवाददाता): मणिपुर की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो चुकी है। मुज़्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह के नेतृत्व में नवगठित सरकार ने कार्यभार संभालते ही राज्य के विकास और प्रशासनिक तत्परता का संकेत दे दिया है। मुज़्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के मात्र एक घंटे के भीतर, बुधवार रात मुज़्यमंत्री बंगले पर पहली कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह बैठक सिंह के मुज़्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लगभग एक घंटे बाद हुई। मुज़्य सचिव डॉ. पुनीत कुमार गोयल ने भी बैठक में भाग लिया, साथ ही उपमुज़्यमंत्री एल. दीखो और नवनियुक्त मंत्री गोविंदास कोंथोजम और के. लोकेन सिंह भी उपस्थित थे। एक सरकारी बयान में कहा गया है, आज मुज़्यमंत्री के बंगले पर मणिपुर की नयी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक आयोजित की गई।

इस बीच, लोक भवन ने सूचित किया कि विभिन्न राजनीतिक दलों ने भाजपा को बिना शर्त समर्थन दिया है। एक बयान में कहा गया है कि नेशनल पीपुल्स पार्टी (6 सदस्य), नगा पीपुल्स फ्रंट (5 सदस्य), जनता दल-यूनाइटेड (1 सदस्य) और दो निर्दलीय सदस्यों ने भाजपा को बिना शर्त समर्थन दिया है। विधानसभा सचिव रोहित सापम की से जारी एक बयान में कहा गया, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174 के खंड (1) के तहत प्रदज़ शक्तियों का उपयोग करते हुए मणिपुर के राज्यपाल के रूप में मैं अजय कुमार भल्ला 12वीं विधानसभा का सातवां सत्र बृहस्पतिवार, पांच फरवरी 2026 को अपराह्न चार बजे आहूत करता हूं।

किरेन रिजिजू का राहुल गांधी को दो टूक जवाब- मनमाने ढंग से नहीं, नियमों के अनुसार बोलना होगा

नयी दिल्ली ०४/०२ (संवाददाता): संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सदन में बोलते समय संसदीय नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने गांधी के पत्र का जवाब दे दिया है और संसद में कोई भी सदस्य मनमाने ढंग से नहीं बोल सकता। एक दिन पहले, राहुल गांधी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बोलने से रोके जाने पर चिंता व्यक्त की थी। पत्रकारों से बात करते हुए रिजिजू ने कहा कि मैंने इसका जवाब दे दिया है। हम भी इंतजार करते-करते थक गए हैं, लेकिन वह बोलते नहीं हैं। उनका कहना है कि वह नियमों का उल्लंघन करके बोलेंगे। हमने दो दिन इंतजार किया, लेकिन दूसरों को भी बोलने की अनुमति मिलनी चाहिए। वह मनमाने ढंग से नहीं बोल सकते। यह भारत की संसद है, आपको नियमों के अनुसार बोलना चाहिए। इस बीच, कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने कहा कि संसद में बोलने का अधिकार विपक्ष के नेता और हर सांसद को है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर राहुल गांधी को जानबूझकर रोकने और विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। सिंह ने एएनआई से कहा कि यह सच है। विपक्ष के नेता और हर सांसद को बोलने का अधिकार है। मैं देख रहा हूं कि जिस दिन से राहुल गांधी बोलने की कोशिश कर रहे हैं, पूरी भाजपा सरकार उन्हें रोकने पर तुली हुई है... भाजपा का इतिहास इसी तरह लिखा गया है। अतीत में, उन्होंने सांसदों को निलंबित करके सदन चलाया है। अगर वे विपक्ष-विहीन सदन चलाना चाहते हैं, तो चलाएं। अगर वे विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं, तो हम इसे कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। बुधवार को लोकसभा को विपक्षी सदस्यों द्वारा बजट सत्र के दौरान एक दिन पहले आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में जोरदार नारेबाजी के बीच स्थगित कर दिया गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर मीडिया से बात करते हुए गांधी ने भी यही आरोप लगाए थे।

सॉरी पापा, 50वाँ टास्क आखिरी था..., गाजियाबाद की 3 बहनों का खूनी अंत, रहस्यमयी कोरियाई गेम ने निगलीं तीन मासूम जिंदगियाँ!

गाजियाबाद ०४/०२ (संवाददाता): सॉरी, पापा - ये उन तीन बहनों के आखिरी शज़्द थे, जिन्होंने उज़र प्रदेश के गाजियाबाद में अपनी रिहायशी बिल्डिंग की नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना बुधवार को सुबह करीब 2 बजे हुई। 12, 14 और 16 साल की तीन बहनों की आत्महत्या ने एक ऐसे कोरियाई गेमिंग ऐप पर ध्यान खींचा है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और माना जा रहा है कि लड़कियां उसकी आदी थीं। लड़कियों के पिता ने इंडिया टुडे टीवी को बताया कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बताया था कि लड़कियां एक टास्क-बेस्ड कोरियाई ऑनलाइन गेमिंग ऐप खेल रही थीं। पिता ने कहा, अधिकारियों ने मुझे बताया कि कल आखिरी टास्क था। बिल्डिंग के अंदर कमरे की दीवार पर कुछ लिखावट भी मिली है। नोट में रोने वाले इमोजी के साथ लिखा था, इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वह सच है, इसे अभी पढ़ो। बहनों की पहचान निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) के रूप में हुई है, उन्होंने अपने माता-पिता से माफी भी मांगी है। पीड़ितों के कमरे से एक नोट मिला, जिसमें एक रोने वाला इमोजी था, जिस पर लिखा था, ऽ्रएक सच्ची कहानी। इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वह सब पढ़ लो, ज्योंकि यह सब सच है। अभी पढ़ो! मुझे सच में बहुत अफ़सोस है, सॉरी पापा,ऽ्र सुसाइड नोट में रोने वाले इमोजी के साथ यह लिखा था।नोट में लिखा था सच्ची ज़िंदगी की कहानी। इस डायरी में जो कुछ भी लिखा है, वह सब पढ़ लो ज्योंकि सब सच है। अभी पढ़ो। मुझे सच में बहुत अफ़सोस है, सॉरी पापा।इस बीच, दीवार पर लिखी लिखावट में लिखा था, मैं बहुत, बहुत अकेली हूँ। मेरी ज़िंदगी बहुत, बहुत अकेली है।ऽ्र पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे इस मामले की कई एंगल से जांच कर रहे हैं, जिसमें बहनों की एक कोरियन ऑनलाइन गेमिंग ऐप की कथित लत भी शामिल है, जिसमें टास्क होते थे।पुलिस ने बताया कि बहनें कोरियन कल्चर से प्रभावित थीं और ऐप पर काफी समय बिता रही थीं। उनके पिता, चेतन कुमार, ऐसे किसी ऐप के बारे में नहीं जानते थे। इंडिया टुडे टीवी से बात करते हुए और घटना से स्वाभाविक रूप से सदमे में दिखते हुए, उन्होंने कहा कि गेमिंग ऐप में 50 टास्क थे और कल आखिरी टास्क था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी बेटियों के जिस ऐप की लत थी, उसके बारे में फोरेंसिक विशेषज्ञों से पता चला, जिन्हें घटना का पता चलने के बाद मौके पर बुलाया गया था। यह घटना तब सामने आई जब सोसायटी के निवासियों ने ज़ोर की आवाज़ सुनी। जल्द ही पुलिस को बुलाया गया, जिसने लड़कियों के शवों को कज़्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिवार के ज़्लैट की तलाशी के दौरान, पुलिस को सुसाइड नोट मिला, जिसे जांच के हिस्से के रूप में कज़्जे में ले लिया गया है। घटना के तुरंत बाद कमरे की एक तस्वीर में परिवार की कई तस्वीरें एक पन्ने के नोट के साथ बिखरी हुई दिखाई दे रही थीं। पुलिस ने बताया कि वे परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं और लड़कियों के मोबाइल फोन के साथ-साथ उनकी डिजिटल गतिविधियों की भी जांच कर रहे हैं। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ष्ठष्टक्क) निमिष पाटिल ने इंडिया टुडे को बताया कि लड़कियों के परिवार ने कुछ दिनों के लिए मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी और अब तक टास्क या गेज़्स के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।

विविध समाचार

किसी भी देश से तेल खरीदने को स्वतंत्र है भारत, अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर रूस की दो टूक

०४/०२ (संवाददाता): रूस ने बुधवार को स्पष्ट किया है कि भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रूस का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस से तेल खरीदना बंद करने और इसके बजाय अमेरिका और संभवत: वेनेजुएला से तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस कभी भी भारत का अकेला एनर्जी पार्टनर नहीं रहा है और उन्होंने इस सुझाव को खारिज कर दिया कि सोर्सिंग में बदलाव असामान्य होगा। पेसकोव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, हम, अन्य सभी अंतरराष्ट्रीय एनर्जी एज़्सपर्ट्स के साथ, अच्छी तरह जानते हैं कि रूस भारत को तेल और पेट्रोलियम प्रोडज़्ट्स का एकमात्र सप्लायर नहीं है। भारत ने हमेशा इन प्रोडज़्ट्स को दूसरे देशों से खरीदा है। इसलिए, हमें इसमें कुछ भी नया नहीं दिखता है।

ट्रेड मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में बताया था कि

भारत बदलती वैश्विक स्थितियों के अनुकूल होने और अपने नागरिकों के लिए एनर्जी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने एनर्जी मिज़्स का विस्तार कर रहा है। हालांकि, पेसकोव ने कहा कि मॉस्को को भारत से रूसी तेल खरीद बंद करने के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। उन्होंने एक दिन पहले भी इसी तरह की बात कही थी, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि नई दिल्ली से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है। लगातार सहयोग का समर्थन करते हुए, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि हाइड्रोकार्बन व्यापार दोनों देशों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने एक ब्रीफिंग में कहा, भारत द्वारा रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है और वैश्विक एनर्जी बाज़ार में स्थिरता बनाए रखने में मदद करती है। हम अपने भारतीय पार्टनर्स के साथ घनिष्ठ सहयोग जारी रखने के लिए तैयार हैं। इस बीच, रूस में एनर्जी एनालिस्ट्स ने कहा कि भारतीय रिफाइनरियों के लिए रूसी कच्चे तेल को पूरी तरह से बदलना अव्यावहारिक है। नेशनल एनर्जी सिज़्योरिटी फंड के इगोर युशकोव ने कहा कि अमेरिकी शेल एज़्सपोर्ट मुज़्य रूप से हल्के ग्रेड के होते हैं, जबकि रूस भारी, सल्फर से भरपूर यूराल कच्चा तेल सप्लाई करता है जिसका इस्तेमाल भारतीय रिफाइनरियां करती हैं। उन्होंने कहा, भारत को अमेरिकी तेल को अन्य ग्रेड के साथ मिलाना होगा, जिससे लागत बढ़ेगी। एक साधारण बदलाव संभव नहीं है। युशकोव ने आगे कहा कि रूस आमतौर पर भारत को प्रतिदिन 1.5 से 2 मिलियन बैरल तेल भेजता है, जिस मात्रा की बराबरी अमेरिका आसानी से नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि ट्रंप बातचीत को पूरी तरह से अमेरिकी शर्तों पर जीत के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब 2022 में रूस ने यूरोप और अमेरिका से सप्लाई भारत की ओर मोड़ दी थी, तो उसने प्रोडज़्शन में रोज़ाना लगभग एक मिलियन बैरल की कटौती की थी, जिससे ग्लोबल कीमतें बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल हो गईं और अमेरिका में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं।पिछले साल ट्रंप ने रूसी एनर्जी खरीदने को लेकर भारत पर भारी टैरिफ लगाए थे, जिसके बारे में व्हाइट हाउस का कहना है कि यह व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को फाइनेंस कर रहा है। हाल ही में, ट्रंप ने एक ट्रेड डील की घोषणा की, जिसमें भारतीय इंपोर्ट पर टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया, जो तुरंत लागू हो गया।भारत अपने इस्तेमाल होने वाले पेट्रोल और डीज़ल जैसे ज़्यूल के लिए लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल इंपोर्ट करता है। 2021 तक भारत के इंपोर्ट में रूसी तेल का हिस्सा सिर्फ़ 0.2 प्रतिशत था, लेकिन फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मॉस्को से दूरी बनाने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा। रियल-टाइम एनालिटिज़्स फर्म के डेटा के अनुसार, जनवरी के पहले तीन हफ़्तों में भारत का रूसी कच्चे तेल का इंपोर्ट गिरकर लगभग 1.1 मिलियन बैरल प्रति दिन हो गया, जो पिछले महीने के औसत 1.21 मिलियन ड्डश्वस्र और 2025 के मध्य में देखे गए 2 मिलियन ड्डश्वस्र से कम है।रूस की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने दोहराया कि हाइड्रोकार्बन व्यापार दोनों देशों के लिए फायदेमंद है और वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है। फिलहाल, गेंद भारत के पाले में है कि वह अमेरिका के साथ नए व्यापारिक संबंधों और रूस के साथ अपने पुराने भरोसेमंद ऊर्जा संबंधों के बीच संतुलन कैसे बनाता है।

मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी की बड़ी मांग, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने से सद्भाव बढ़ेगा

नयी दिल्ली ०४/०२ (संवाददाता): अखिल भारतीय मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने मंगलवार को केंद्र और राज्य सरकारों से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा देने से सामाजिक सद्भाव मजबूत होगा। इस्लामी दृष्टिकोण से उन्होंने कहा कि गाय के दूध में औषधीय गुण होते हैं और यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, जबकि गोमांस का सेवन बीमारी का कारण बन सकता है।

उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने %गोदान% नामक फिल्म का पोस्टर जारी किया है। यह पोस्टर और यह फिल्म गायों से संबंधित है। इसमें संभवत: गायों के संरक्षण, सुरक्षा और बचाव से जुड़ी कहानियां हैं। मैं उज़र प्रदेश सरकार और भारत सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करता हूं। गाय को

राष्ट्रीय पशु घोषित करने से कई समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। यदि आप इतिहास के पन्ने पलटेंगे, तो आपको गायों से जुड़े कई विवाद मिलेंगे। इसलिए, गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के बाद ये समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

उन्होंने मुसलमानों को गाय का मांस न खाने और गाय पालन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी ताकि उनके दूध से लाभ उठाया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि मैं इस्लामी दृष्टिकोण प्रस्तुत करना चाहता हूँ। पैगंबर मुहज़्मद (उन पर शांति हो) की एक हदीस के अनुसार, गाय के मांस में रोग होता है और उसके दूध में शिफा (इलाज) होता है। पैगंबर का उद्देश्य और दृष्टिकोण यह था कि गाय की रक्षा, सेवा और संरक्षण किया जाए, उसका मांस न खाया जाए, बल्कि उसके दूध से लाभ उठाया जाए। स्वयं दूध का सेवन करें और अपने परिवार, बच्चों और बीमारों को भी दें ताकि वे स्वस्थ हो सकें। मैं सभी मुसलमानों से अपील करता हूँ गाय पालें और गाय का मांस न खाएँ। स्वयं गाय का दूध पिएं, अपने बच्चों को पिलाएं और बीमारों को भी दें ताकि वे स्वस्थ हो सकें।

युमनाम खेमचंद सिंह बने मणिपुर के नए सीएम, राज्यपाल ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ

इंफाल ०४/०२ (संवाददाता): युमनाम खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के मुज़्यमंत्री के रूप में शपथ ली। लोक भवन में राज्यपाल अजय भल्ला ने उन्हें शपथ दिलाई। सिंह को एक दिन पहले ही नई दिल्ली में भाजपा के विधायक दल का नेता चुना गया था। इस बैठक में भाजपा के 37 विधायकों में से 35, पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक तरुण चुघ, पूर्वोज़र प्रभारी संबित पात्रा और भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष ए शारदा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे। मणिपुर के मुज़्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद युमनाम खेमचंद सिंह ने कहा कि मणिपुर विकसित भारत 2047 में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मणिपुर में 36 समुदाय हैं, और हम राज्य में शांतिपूर्ण वातावरण लाने की आशा करते हैं। उनके साथ ही कुकी गांव की भाजपा विधायक नेमचा किपगेन ने मणिपुर की उपमुज़्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से शपथ ग्रहण किया।

नागा पीपुल्स फ्रंट के विधायक एल. डिखो ने भी उपमुज़्यमंत्री के रूप में शपथ ली।राजनीति के अलावा, खेमचंद सिंह का ताइक्वांडो से भी लंबा जुड़ाव रहा है। ज़्लैक बेल्ट धारक, वे भारतीय ताइक्वांडो महासंघ के पूर्व उपाध्यक्ष हैं और पूर्वोज़र में इस खेल को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। हालांकि वे दशकों से राजनीति में सक्रिय हैं, 62 वर्षीय नेता ने 2017 में इज़्फाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा में पदार्पण किया। वे एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली पहली भाजपा सरकार के दौरान मणिपुर विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए।2022 में, खेमचंद सिंह ने बीरेन सिंह की दूसरी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने नगर प्रशासन, आवास और शहरी विकास (एमएएचयूडी), ग्रामीण विकास और पंचायती राज तथा शिक्षा सहित कई महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला।

संसद में बवाल: निशिकांत दुबे की मांग-2014 से पहले की किताबों पर हो चर्चा, खुलेगी कांग्रेस की पोल

नयी दिल्ली ०४/०२ (संवाददाता):भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को कहा कि संसद की कार्यवाही एक ऐसी किताब के कारण रुकी है जो कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई है, और उन्होंने अध्यक्ष से आग्रह किया कि प्रकाशित किताबों पर चर्चा की अनुमति दी जाए ताकि लोगों को 2014 से पहले की कहानी पता चल सके।

भाजपा सांसद ने पत्रकारों से कहा कि ये वे किताबें हैं जो प्रकाशित तो हुई हैं लेकिन भारत में प्रतिबंधित हैं... संसद की कार्यवाही एक ऐसी किताब के कारण रुकी है जो कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई है।

दुबे ने आगे कहा कि मैं अध्यक्ष से आग्रह करता हूं, और यही बात मैंने संसद में भी कही थी, कि प्रकाशित किताबों पर चर्चा होनी चाहिए और जनता

को 2014 से पहले की कहानी पता चलनी चाहिए, जिसके बारे में अधिकांश आबादी को कोई जानकारी नहीं है, इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए... संसद में चर्चा के बाद गांधी-नेहरू परिवार का पर्दाफाश होगा। सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का जिक्र करने पर भारी हंगामा मच गया।

इसके बाद बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस सांसद ने सरकार पर अध्यक्ष और संसद का अपमान करने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं। वायनाड सांसद ने संसद के बाहर पत्रकारों से कहा कि निशिकांत जी को तभी आगे लाया जाता है जब सरकार को व्यवधान उत्पन्न करना होता है। सरकार किसी सदस्य को प्रकाशित पुस्तक से उद्धरण देने की अनुमति नहीं दे रही है, लेकिन वह (भाजपा सांसद निशिकांत दुबे) सदन में 6 पुस्तकें लाते हैं और उनसे उद्धरण देते हैं। यह सरकार यह दिखाना चाहती है कि संसद में केवल उनका ही तरीका चलेगा। यह अध्यक्ष और संसद का अपमान है। विपक्ष के विपक्ष सिर्फ एक व्यक्ति नहीं है; वह पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व करते हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने निर्णय लेने में कभी संकोच नहीं किया। उन्होंने कहा कि एक बार फिर, वे नेहरू का मुद्दा उठाकर जनता का ध्यान भटका रहे हैं, ज़्योंकि जनरल साहब ने देश के नेतृत्व के बारे में कुछ ऐसा कहा था... ज़्या इंदिरा गांधी ने कभी कोई फैसला लेने से पीछे हटीं? कभी नहीं। देश को इस तरह नहीं चलाया जाता। आज उन्होंने जो किया, उससे यह साबित हो गया कि सदन में सिर्फ वही होगा जो वे चाहते हैं, और वे विपक्ष के नेता को बोलने नहीं देंगे... यह बहुत गंभीर मुद्दा है, और सभी को इसे समझना चाहिए। यह पहली बार है कि सरकार खुद सदन को चलने नहीं देना चाहती।

बीजेपी का राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, कहा-एक झूठा बन गया है विपक्ष का नेता

नयी दिल्ली०४/०२ (संवाददाता): तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें संसद में बोलने से रोका गया था। एएनआई से बात करते हुए, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं, भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और भारतीय सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं।

राव ने कहा कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, साथ ही हमारे लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और हमारे सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। तेलंगाना के मुज़्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी राहुल गांधी के नज़्शेकदम पर चल रहे हैं। राज्य भाजपा अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि गांधी संसद में जनहित के मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। राव ने आगे कहा कि पक्षपात के नेता के रूप में, वे सार्वजनिक मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। लोग उन्हें सशस्त्र बलों और राष्ट्र का अपमान करते हुए देखते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहाँ एक झूठा व्यक्ति पक्षपात का नेता बन गया है। इससे पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर बोलने से रोके जाने पर चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस दस्तावेज़ का हवाला देना चाहते थे, उसे प्रमाणित करवाकर संसदीय परंपरा का पालन किया था, लेकिन इस आवश्यकता को पूरा करने के बावजूद उन्हें निचले सदन में इसका हवाला देने की अनुमति नहीं दी गई। पत्र में लिखा था कि कल, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्ताव पर बोलते समय, आपने मुझे उस पत्रिका को प्रमाणित करने का निर्देश दिया था जिसका मैं उल्लेख करने वाला था। मैंने आज अपना भाषण पुन: शुरू करते समय दस्तावेज़ को प्रमाणित कर दिया।

दिल्ली विस्फोट के बाद बड़ी कार्रवाई! अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी गिरफ्तार

नयी दिल्ली०४/०२ (संवाददाता): दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अल फलाह विश्वविद्यालय के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरज़्तार कर लिया है। यह गिरज़्तारी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (त्नष्ट) की शिकायतों पर दर्ज दो प्राथमिकियों (स्नद्धक्र) के आधार पर की गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कार्यवाही शुरू करने के बाद दिल्ली पुलिस ने यह कार्रवाई की है। लाल किले के पास हुए विस्फोट के बाद अपराध शाखा ने निजी विश्वविद्यालय के कामकाज से संबंधित कथित अनियमितताओं और धोखाधड़ी के संबंध में मामले दर्ज किए थे। अधिकारी ने बताया कि सिद्दीकी को स्थानीय अदालत में पेश किया जहां से उसे आगे की पूछताछ

के लिए चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

इस मामले में मोड़ तब आया जब प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने भी विज़ीय अनियमितताओं को देखते हुए अपनी कार्यवाही शुरू कर दी। श्वष्ठ की सक्रियता के बाद दिल्ली पुलिस ने त्वरित कदम उठाते हुए चेयरमैन सिद्दीकी को हिरासत में लिया। अल फलाह यूनिवर्सिटी तब जांच के दायरे में आ गई जब रिपोर्ट्स में पता चला कि 2000 के लाल किले ज़्लास्ट में दोषी ठहराए गए डॉ. उमर नबी, जिसमें 13 लोगों की जान गई थी, यूनिवर्सिटी में काम कर रहे थे। जांचकर्ताओं ने दो सहयोगियों, डॉ. मुज़्मिल शकील और डॉ. शाहीन शाहिद की भी पहचान की, जो एक तथाकथित %व्हाइट-कॉलर% आतंकी नेटवर्क से जुड़े थे और जिनके संस्थान से संबंध थे। इन खुलासों से राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान बढ़ा और यूनिवर्सिटी की हायरिंग प्रक्रियाओं के बारे में चिंताएं पैदा हुईं। नवंबर में, नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (ह्लष्ट) द्वारा कथित तौर पर झूठे मान्यता दावों के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद यूनिवर्सिटी की आधिकारिक वेबसाइट को ऑफलाइन कर दिया गया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने यूनिवर्सिटी की फंडिंग और विज़ीय लेनदेन, विशेष रूप से इसके मेडिकल स्टाफ से जुड़े लेनदेन की जांच करने की योजना की घोषणा की है। अधिकारियों ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि जांच जारी है और जैसे-जैसे अधिकारी यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड की समीक्षा करेंगे और सिद्दीकी से विस्तार से पूछताछ करेंगे, वैसे-वैसे और भी घटनाक्रम होने की उज़्मीद है। यह गिरज़्तारी संस्थान में प्रशासनिक और विज़ीय अनियमितताओं की जांच में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हाल के महीनों में बढ़ती नियामक जांच के दायरे में रहा है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

बोर्ड परीक्षा की टेंशन में हो रहे हैं परेशान? बिना स्ट्रेस कम समय में खुद को ऐसे करें तैयार

बोर्ड परीक्षा में अब काफी कम समय बचे है। इस दौरान अगर आप भी तनावपूर्ण महसूस कर रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। यहां हम आपको कुछ ऐसे टिप्स और प्लानिंग के बारे में बताएंगे, जिसे फॉलो करके आप एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से कक्षा 10 और 12वी की बोर्ड परीक्षाएं फरवरी महीने में ली जाएगी। डेटशीट के अनुसार, दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं 15 फरवरी 2025 से शुरू होंगी। 10वी की परीक्षाएं 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 4 अप्रैल तक चलेंगी। इसके अलावा फरवरी से लेकर अप्रैल महीने तक अन्य राज्यों की बोर्ड परीक्षाएं भी खत्म हो जाएगी।

कुछ स्टूडेंट्स तो एग्जाम की प्रिपरेशन सेशन की शुरुआत से ही अच्छी तरह करते हैं। वहीं, कुछ बच्चे अपनी जमकर तैयारी आखिरी के कुछ महीनों से करना शुरू कर देते हैं। तैयारी चाहें जितना भी कर लें, लेकिन बोर्ड परीक्षा का समय नजदीक आते ही छात्रों में तनाव बढ़ने लगता है। हालांकि सही रणनीति और बेहतर प्लानिंग से पढ़ाई करने के बाद, वे अपने एग्जाम में अच्छा स्कोर कर सकते हैं। यहां कुछ कारगर टिप्स बताए गए हैं, जिससे आपको कम समय में बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने में मदद मिल सकती है।

बोर्ड एग्जाम 2025 की कम समय में ऐसे करें तैयारी

टाइम टेबल बनाकर फॉलो करें

बोर्ड एग्जाम के लिए आपके पास सिर्फ एक ही महीना बचा है। इस दौरान आपको जमकर तैयारी करने की जरूरत है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पढ़ाई पर फोकस करने की जरूरत है। एक प्रभावी टाइम टेबल का शेड्यूल बनाकर आप सभी विषयों को बराबर समय दे। इसमेंकठिन विषयों के लिए ज्यादा समय रखें और सरल विषयों को रिवीजन के लिए छोड़ दें। इसी रुटीन के साथ अपनी पढ़ाई शुरू कर दें। ध्यान रहे आपको सारे विषयों पर फोकस करना है। चाहे वह आसान हो या मुश्किल आपको सारे सब्जेक्ट पर अच्छी पकड़ बनाना जरूरी है, ताकि आप एग्जाम में अच्छी तरह से लिख सकें। पढ़ाई के साथ ब्रेक्स को भी जरूर शामिल करें।

शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई के साथ तय करें छोटे-छोटे लक्ष्य

बड़े टॉपिक्स को छोटे हिस्सों में बांट लें। रोजाना के लिए छोटे-छोटे टारगेट सेट करें और उन्हें पूरा करें। यह तरीका आपको विषयों को जल्दी कवर करने में मदद कर सकता है शेड्यूल के हिसाब से पढ़ाई करने के साथ-साथ टॉपिक कवर करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य सेट करना बेहद जरूरी है।

रिवीजन पर दें जोर

पढ़ाई पूरी करने के बाद और शुरू करने से पहले रिवीजन जरूर करें हर विषय का ज्यादा से ज्यादा रिवीजन करें। रिवीजन के लिए नोट्स और शॉर्टकट फॉर्मूलों का इस्तेमाल कर सकते है। रिवीजन के दौरानमुश्किल टॉपिक्स को आसान भाषा में और शॉर्ट में लिखें ये परीक्षा से पहले तेजी से रिवीजन के वक्त भी काम आ सकते हैं।

पुराने प्रश्न पत्र हल करें और प्रैक्टिस टेस्ट दें

पिछले साल के बोर्ड एग्जाम के प्रश्न पत्रों को हल करें। इससे आपको परीक्षा के पैटर्न और कठिनाई स्तर का अंदाजा होगा। समय सीमा के अंदर प्रश्न पत्र हल करने की प्रैक्टिस करें। इसके अलावा, घर पर खुद के लिए मॉक टेस्ट सेट करें। इससे समय प्रबंधन और लिखने की गति में सुधार आने की संभावना बढ़ेगी।

परीक्षा के दिन के लिए खास टिप्स

परीक्षा से एक दिन पहले नई चीजें न पढ़ें। पहले जो भी पढ़ा है उसे बस एक बार रीड करके रिवीजन कर लें समय से सो जाएं और मानसिक शांति बनाए रखें। परीक्षा हॉल में सवालों को ध्यान से पढ़ें और समय का सही इस्तेमाल करें।

फ्यूचर है प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री, खोजें करियर के छिपे हुए अवसर

आज के समय में लोग वीगन हो रहे है या फिर प्लांट-बेस्ड फूड की तरफ उनका झुकाव काफी बढ़ने लगता है। ऐसे में प्लांट बेस्ड फूड इंडस्ट्री में करियर की ढेरों संभावनाएं पैदा हुई हैं। भारत में प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री काफी तेजी से बढ़ रही है। आज के समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि कई दिग्गज सेलेब्स भी प्लांट बेस्ड फूड के फायदों को समझने के साथ-साथ उसे अपनाने लगी है। जैसे-जैसे ज्यादा से ज्यादा लोग अपनी हेल्थ से लेकर पर्यावरण के बारे में जागरूक हो रहे हैं, प्लांट-बेस्ड विकल्प हर जगह उभर रहे हैं। आज के समय में प्लांट-बेस्ड डेयरी से लेकर स्नैक्स और मील तक, लोग कई चीजों की डिमांड करने लगे हैं। जिसकी वजह से इस फील्ड में करियर के कई नए ऑप्शन खुले है।

आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट से लेकर मार्केटिंग और फूड टेक्निक तक में अपने लिए करियर की नई संभावनाए खोज सकते हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जिसकी आने वाले समय में भी काफी डिमांड रहेगी। प्लांट-बेस्ड क्रांति अभी शुरू ही हुई है, इसलिए अभी इस फील्ड में बहुत ज्यादा स्कोप है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे है कि प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप कहां-कहां करियर ऑप्शन की तलाश कर सकती है-

प्रोडक्ट डेवलपमेंट

प्लांट-बेस्ड फूड इंडस्ट्री में आप प्रोडक्ट डेवलपमेंट फील्ड में भी करियर बन सकते हैं। इसमें आपको एनिमल बेस्ड फूड के बेहतरीन अल्टरनेटिव देंगे, जो प्लांट बेस्ड हो। आज के समय में लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाना चाहते हैं, लेकिन अपने टेस्ट बड के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं। इसलिए, वे प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट की तलाश करते हैं। ऐसे में आप किसी बड़ी कंपनी के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर खुद का स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में अपने कदम जमाने के लिए आपको फूड साइंस से लेकर प्लांट बेस्ड इंग्रीडिएंट की अच्छी समझ होनी चाहिए।

न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग

आप चाहे तो न्यूट्रिशन और कंसल्टिंग की फील्ड में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के समय में प्लांट बेस्ड डाइट में स्पेशलाइजेशन रखने वाले न्यूट्रिशनिस्ट की काफी डिमांड है। आप भी इसमें स्पेशलाइजेशन करके लोगों या किसी बिजनेस को प्लांट बेस्ड लाइफस्टाइल पर स्विच करवाने में मदद कर सकते है। चूंकि आज के समय में अधिक से अधिक लोग प्लांट बेस्ड डाइट चुन रहे हैं, इसलिए पर्सनलाइज्ड न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की डिमांड भी काफी बढ़ रही है। करियर बनाने के लिए जरूरी बातें आप ध्यान रखते हैं, तो आपकी लाइफ अच्छी रहेगी।

सेल और बिजनेस डेवलपमेंट

अगर आपमें मार्केटिंग स्किल्स भी हैं और आप लोगों से संबंध बनाने में अच्छे है तो आप सेल और बिजनेस डेवलपमेंट की फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। इसमें आप प्लांट बेस्ड प्रोडक्ट के लिए एक नई मार्केट खड़ी करने में अपने स्किल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब लोग प्लांट बेस्ड फूड तो खाने में इच्छुक होने लगे हैं, लेकिन फिर भी यह फूड इंडस्ट्री अभी काफी नई है, इसलिए इस बारे में जानकारी फैलाने और एक मार्केट बिल्ड करने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है।

फूड जर्नलिज्म और कंटेंट क्रिएशन

अगर आपको प्लांट बेस्ड फूड खाने के साथ लिखने का भी शौक है, तो आप प्लांट बेस्ड फूड्स से लेकर नई तरह की डिशेज आदि के बारे में लिख सकते हैं या फिर नए ट्रेन्ड्स के बारे में लोगों को बता सकते है। आप ना केवल अलग-अलग पब्लिकेशन के लिए लिख सकते हैं, बल्कि फूड ब्लॉगिंग कर सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल खोल सकते हैं। जैसे-जैसे आप लोगों को प्लांट बेस्ड डाइट से जुड़ी नई जानकारियां और डिशेज आदि के बारे में बताते हैं, लोग आपसे जुड़ते चले जाते हैं। इससे आपको पैसे के साथ-साथ पब्लिसिटी भी मिलती है।

पॉडकास्टिंग में करियर शुरू करने से पहले जान लें ये चार टिप्स, मिलेगी अपार सफलता

आज के समय में पॉडकास्टिंग का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है और लोग इसे सिर्फ शौक के लिए ही नहीं करते हैं, बल्कि अब इस फील्ड को एक करियर ऑप्शन के रूप में देखा जाने लगा है। जहां पर आप अपनी क्रिएटिविटी को एक नए अंदाज में लोगों के सामने पेश कर सकते हैं और पैसे के साथ-साथ अच्छा-खासा नाम भी कमा सकते हैं। यह एक ऐसी दुनिया है, जिसमें आपको यकीनन काफी मजा आने वाला है।

यूं तो इसके लिए किसी प्रोफेशनल कोर्स की जरूरत नहीं होती है और आज के समय में बहुत से लोग इस फील्ड में काम कर रहे हैं। लेकिन एक सफल पॉडकास्ट बनाने के लिए आपको अपनी मेहनत, समय और क्रिएटिविटी को इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन एक बार जब आप लोगों को पसंद आने लगते हैं तो लोग आपका वास्तव में इतजार करना शुरू कर देते हैं। पॉडकास्टिंग के फील्ड में सफल करियर बनाने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना जरूरी है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे है-

तय करें एरिया

अगर सच में आप पॉडकास्टिंग फील्ड में अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप सबसे पहले किसी एक फील्ड को चुनें। पॉडकास्टिंग फील्ड बहुत बड़ी है, ऐसे में आप हर फील्ड को नहीं चुन सकते। फिर चाहे वह फिटनेस हो, टेक हो या स्टोरीटेलिंग हो, आप किसी एक ऐसे एरिया को चुनें, जो आपको काफी अच्छा लगता है। अगर आप कोई खास क्षेत्र चुनते हैं, तो इससे आपको एक खास ऑडियंस को आकर्षित करने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं, इससे आप समय के साथ विषय के एक्सपर्ट कहलाने लगते हैं, जिससे कहीं ना कहीं आपकी विश्वसनीयता भी बढ़ती है।

रहें कंसिस्टेंट

जब आप पॉडकास्ट शुरू कर रहे है तो यह बेहद जरूरी है कि आप कंसिस्टेंसी बनाए रखें। चाहे आप सप्ताह में या फिर पन्द्रह दिन में अपलोड करें, लेकिन शेड्यूल पर टिके रहें। इससे ऑडियंस के साथ एक विश्वास बनता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि उन्हें कब नया कंटेंट देखने को मिलेगा। साथ ही, अगर उन्हें आपका काम पसंद आता है तो वे आपके अगले एपिसोड का इतजार भी करते हैं।

ऑडियंस को भी करें शामिल

पॉडकास्टिंग का मतलब सिर्फ अपनी बात को कह देना ही नहीं है, बल्कि आपको अपने श्रोताओं के साथ भी एक रिलेशन बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए उन्हें एंगेज करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप उनके कमेंट का जवाब दें, फीडबैक मांगें और उन्हें अपने एपिसोड में शामिल करें। चाहे सोशल मीडिया के जरिए हो या ईमेल के जरिए, ऑडियंस की भागीदारी से एक कम्युनिटी बिल्डअप करने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, जब आप अपनी ऑडियंस से फीडबैक लेते हैं तो इससे आपको अपने कंटेंट को और भी ज्यादा बेहतर बनाने में मदद मिलती है, क्योंकि आपको यह समझ में आता है कि लोगों को ज्यादा क्या पसंद आता है।

कंटेंट पर करें फोकस

अगर आप सच में अपने पॉडकास्ट चैनल को समय के साथ आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं तो इसके लिए कंटेंट पर फोकस करना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप किसी भी एपिसोड से पहले उसके कंटेंट पर खासा काम करें। इसके लिए आप अच्छी तरह से रिसर्च जरूर करें। ध्यान रखें कि अच्छा कंटेंट ही ऑडियंस को बार-बार वापस आने के लिए मजबूर करता है। इतना ही नहीं, जब आप अपने पॉडकास्ट कंटेंट पर मेहनत करते हैं तो इससे आप बाकी सभी चैनल से कुछ अलग व नया करते है, जो लोगों को काफी पसंद आता है।

साइकोलॉजी के फील्ड में बनाना है करियर तो इन ऑप्शन्स को करें एक्सप्लोर

साइकोलॉजी एक ऐसी फील्ड है, जो बेहद ही एक्साइटिंग है। इसमें आप लोगों की सोच और उनके व्यवहार को गहराई से समझने की कोशिश करते हैं। साथ ही साथ, उनके मेंटल हेल्थ स्ट्रगल्स को भी ठीक करने में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। यह फील्ड बहुत ही वर्सेटाइल है, जिसमें आप क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से लेकर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट तक कई तरह की फील्ड को चुन सकती हैं और अपने करियर को आगे बढ़ा सकती हैं। इस फील्ड में आप अपनी पसंद व प्राथमिकताओं के आधार पर आगे बढ़ सकते हैं। फिर चाहे आप लोगों के साथ आमने-सामने काम करना पसंद करते हों या रिसर्च करना चाहते हों या फिर एथलीट्स को उनका बेस्ट देने में मदद करना चाहते हों, साइकोलॉजी में आपके पास ऑप्शन्स की कोई कमी नहीं है।

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से लोगों की मेंटल हेल्थ कंडीशन को बेहतर बनाने पर काम करते हैं। वे एंग्जाइटी से लेकर सिजोफ्रेनिया जैसी गंभीर मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स से निपटने में मदद करते हैं। वे खुद का क्लिनिक खोलकर अकेले भी काम कर सकते हैं या फिर हॉस्पिटल्स में अपनी सर्विसेज दे सकते हैं। अगर आपको लोगों की मदद करना अच्छा लगता है तो आप बतौर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट अपना भविष्य देख सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट

यदि आपको बच्चों के साथ काम करना पसंद है, तो स्कूल साइकोलॉजी में करियर बनाना अच्छा ऑप्शन हो सकता है। स्कूल साइकोलॉजिस्ट एक लाइसेंस मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स होते हैं और वे बच्चों से लेकर टीचर्स और पैरेंट्स की एकेडमिक, सोशल और इमोशनल जरूरतों को समझते हुए उन्हें पूरा करने में मदद करते हैं। वे टीचर्स और पैरेंट्स के साथ मिलकर बच्चों की ग्रोथ को सपोर्ट करने के लिए स्ट्रैटेजी बनाते हैं।

फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट

साइकोलॉजी के फील्ड में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट बनना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। वास्तव में फोरेंसिक साइकोलॉजिस्ट लीगल सिस्टम के साथ काम करते हैं और उन्हें अपराधी के व्यवहार को समझने में मदद करते हैं। यहां तक कि क्रिमिनल इनवेस्टिगेशन में भी मदद करते हैं। इस तरह वे साइकोलॉजी को कानून के साथ जोड़ने की एक कड़ी के रूप में काम करते हैं।

स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट

अगर आप खेलों में रुचि रखते हैं और यह जानना पसंद करते हैं कि माइंड परफार्मेंस को कैसे प्रभावित करता है, तो स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एक बेहतर फील्ड हो सकता है। यह एक उभरता हुआ फील्ड है, जिसमें प्रोफेशनल एथलीट्स को उनकी परफार्मेंस बेहतर बनाने से लेकर प्रेशर से डील करने और इंजरीज को रिकवर करने के लिए मेंटल स्ट्रैटेजी पर फोकस करते हैं।

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट

रिसर्च साइकोलॉजिस्ट एक्सपेरिमेंट्स से लेकर डेटा के साथ काम करना पसंद करते हैं। ये साइकोलॉजिस्ट यूनिवर्सिटीज, रिसर्च इंस्टीट्यूट्स या फिर प्राइवेट सेक्टर्स में काम करते हैं। वे ये समझने के लिए अध्ययन करते है कि व्यक्ति कैसे सोचते है, महसूस करते हैं और व्यवहार करते है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

गुरूवार 05 फरवरी 2026

अजित पवार के जाने के बाद का गुणा-भाग

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में एक विमान हादसे में निधन हो गया। उनके यूं इस तरह चले जाने से समूचा देश स्तब्ध है। वहीं महाराष्ट्र की राजनीति में भी नए सवाल खड़े हो गए हैं। क्योंकि अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का एक ऐसा किरदार थे, जिनसे आप असहमत हो सकते हैं, उनके तौर-तरीकों से नाराज हो सकते हैं, उनके समर्थक और मुरीद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें उपेक्षित नहीं कर सकते। अजित पवार का सियासी सफर काफी दिलचस्प था। हर दिग्गज नेता की तरह उनकी भी महत्वाकांक्षा शीर्ष पद पर पहुंचने की थी, यानी महाराष्ट्र का मु यमंत्री बनना उनका सपना था, जो अब अधूरा रह गया है। अजित पवार मु यमंत्री तो एक बार भी नहीं बन पाए, लेकिन छह बार महाराष्ट्र के उपमु यमंत्री बनने का रिकार्ड उनके नाम हैं। इसके अलावा कांग्रेस, शिवसेना, भाजपा के मु यमंत्रियों के साथ वे अलग-अलग मंत्री पद पर भी रहे। इसलिए कहा जाता है कि अजित पवार सत्ता में हमेशा ही बने रहे। अपने चाचा शरद पवार की ऊंगली थामकर अजित पवार ने राजनीति शुरु की, लेकिन बाद में उनसे अलग होकर अपना दबदबा भी दिखाया। 22 जुलाई 1959 को जन्मे अजित पवार महज 23 साल की उम्र में कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री के बोर्ड में शामिल हो गए थे। इसके बाद 1991 में वे पुणे सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष बने और 16 सालों तक इस पद पर काबिज रहे। वे 1991 में ही बारामती से पहली बार सांसद चुने गए। लेकिन अपने चाचा शरद पवार के लिए उन्होंने सीट खाली की, इसके बाद 1995 में बारामती से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीते फिर 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार विधायक बने रहे। शरद पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को खड़ा करने और उसे महाराष्ट्र की अग्रणी पार्टियों में शुमार करने में अजित पवार का बड़ा हाथ रहा। लेकिन इस बीच शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के भी राजनीति में सक्रिय होने के बाद अजित पवार अपनी उपेक्षा का दर्द जाहिर करते रहे। एक बार उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर मैं शरद पवार का बेटा होता तो मु यमंत्री बन जाता। हालांकि चाचा-भतीजे के बीच सीधी तकरार 2022 में देखने मिली। जब अजित पवार ने शरद पवार से अलग होकर अपनी राजनीतिक लकीर खींची और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। हालांकि हाल ही में संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आए और खबरें थीं कि चाचा-भतीजा के साथ आने से भाजपा को काफी तकलीफ है। लेकिन नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी को बड़ा झटका लगा और उसके कई गढ़ हाथ से निकले भी। इसके बाद अजित पवार जिला पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटे थे। लेकिन उनकी मौत के साथ ही उनकी तैयारियां भी अधूरी रह गईं। करीब 4 दशकों के सियासी सफर में एक बार सांसद और सात बार विधायक रहे अजित पवार ने राज्य सरकार में कई अहम मंत्री पद संभाले। 2010 में वे पहली बार उपमु यमंत्री बने और फिर छह बार इसी पद पर काबिज हुए। 2019 में तो दो अलग-अलग मु यमंत्रियों के अधीन उन्होंने उपमु यमंत्री की शपथ ली। 23 नवंबर 2019 की सुबह उन्होंने देवेंद्र फडनवीस के साथ उपमु यमंत्री की शपथ ली। लेकिन, सदन में फडनवीस बहुमत साबित करने में नाकाम रहे। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने मु यमंत्री की शपथ ली तो उन्हें एक बार फिर उपमु यमंत्री बनाया गया। आखिरी बार 2024 में वो एक बार फिर महाराष्ट्र के उपमु यमंत्री बने और उनकी मौत इसी पद पर बने रहते हुए हो गई। संदेश सिंचाई घोटाले से लेकर अपनी पार्टी को तोड़ने और भाजपा से हाथ मिलाने जैसे कई विवाद अजित पवार के साथ चस्पां रहे। अब उनकी मौत पर भी सवाल उठ रहे हैं। दरअसल तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और प.बंगाल की मु यमंत्री ममता बनर्जी ने संकेत दिया कि अजित पवार महायुति गठबंधन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए इस हादसे के पीछे कोई साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा- आज जो हुआ, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच ही विश्वसनीय होगी।

यूरोपीय यूनियन के लिए ज्यादा जरूरी है भारत के साथ व्यापार समझौता

अंजन रॉय

भारत-ईयू व्यापार समझौते के परिणाम स्वरूप, यूरोप के उत्पादनों की पूरी रेंज बहुत कम टैरिफ के आधार पर भारत में प्रवेश पाएगी, जिससे भारत में बढ़ते मध्य वर्ग के बाजार के बड़े हिस्से खुल जाएंगे। साथ ही, ईयू भारत की व्यापार संबंधी चिंताओं के प्रति संवेदनशील रहा है। इन संवेदनशीलता को देखते हुए, भारत-ईयू समझौता कृषि क्षेत्र, चीनी उद्योग और कई अन्य उत्पादनों को कवर नहीं करेगा। सालों से भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) के बीच व्यापार समझौते के लिए बातचीत किनारे पर ही अटकी हुई थी। जब यह सब शुरू हुई, तो ईयू ने बड़े-बड़े दावे किए और भारत के मुद्दों पर पीछे हटने से मना कर दिया, चाहे वह भारत के छोटे और मामूली किसानों को सस्ते यूरोपियन खेती के उत्पादनों के हमले से बचाने का मामला हो; या भारत का अपने देश में बनी व्हिस्की को भी इसी नाम से बुलाने का अधिकार हो।

हालांकि, समय नज़रिए और मजबूरियों को पूरी तरह बदल सकता है। अब भारत ही है जिस पर अब तक घमंडी रहे यूरोपियनों का सारा ध्यान है। इतना ज़्यादा कि यूरोपियन कमीशन की प्रमुख, उर्सुला वैन डेर लेयेन ने खुद वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम के बड़े मंच से ऐलान किया कि अगले ह ़ते भारत के साथ एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया जाएगा। अपने जोश या निराशा में, उन्होंने भारत के साथ व्यापार समझौते को सभी ट्रेड डील्स की मां बताया। यह पुराने महादेश के लिए एक ऐसा समझौता होगा जिसमें आगे की सोच रखने वाला, तेज़ी से बढ़ता हुआ, नवाचार और अक्सर तेजस्वी कहा जाने वाला भारत होगा। वॉन डेर लेयेन ने इस समझौते का ज़िक्र किया जिसमें करीब दो अरब लोग शामिल हैं और जो वैश्विक जीडीपी का एक-चौथाई हिस्सा है।

आखिर ईयू के लिए क्या मजबूरियां थीं? यूरोपियन आज एक कोने में फंस गए हैं। आखिर, उनका सबसे पुराना साथी और रक्षक, अमेरिका, उनसे मुकर गया लगता है। जब से डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति बने हैं, अमेरिकियों ने यूरोपियनों की बुराई करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है।

भारतीय राजनीति विश्लेषण सेवा ट्रंप ने खुद बार-बार इस बात पर ध्यान दिलाया है कि यूरोपियन दशकों से अमेरिकी सामिरक रक्षा प्रणाली पर सवार हैं। यूरोपियन अपने रक्षा पर खर्च नहीं कर रहे हैं और अपनी रक्षा को मज़बूत करने के लिए मोटे अमेरिकी बजट पर निर्भर हैं। ट्रंप चाहते थे कि यूरोपीय देश अपनी रक्षा के लिए पैसे दें, न कि अमेरिकी इसके लिए पैसे दें।़द्यह्यश ऋद्गड्डस्र - ललित सुरजन की कलम से - प्रधानमंत्री या ब्रांड ए बेसेडर जैसे कि ट्रंप की डांट काफी नहीं थी, उससे और भी बुरा हुआ। अमेरिकी उपराष्ट्र पति जे.डी., वेंस ने रूस के हमले के सामने यूरोप की बेबसी के बारे में अपशब्द कहे। ट्रंप ने खुद ओवल ऑफिस में अपने पसंदीदा प्रेस के सामने ब्रिटिश प्रधानमंत्री की बेइज्ज़ती की थी। दूसरों ने भी बेबुनियाद गालियां और चेतावनी दी थी। लेकिन यूरोप के लिए, विकल्प और भी बुरे हैं, रूस यूक्रेन में बढ़त बना रहा है और बाकी यूरोप को युद्ध के खतरनाक शब्दों से धमका रहा है। मौजूदा हालात में, रूस की दोस्ती ट्रंप की बेइज्ज़ती से कोई राहत नहीं दे सकती। दूसरा बड़ा खिलाड़ी चीन भी कोई आराम नहीं देता।

अगर दे भी रहा है, तो चीन यूरोप की अर्थव्यवस्था के लिए एक वजूद का खतरा साबित हो रहा है। चीनी इलेक्ट्रिक कारें यूरोप के लंबे समय से बने ऑटोमोबाइल बाजार में धमाका कर रही हैं। ऑटो इंडस्ट्री के जाने-माने नाम, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, फॉक्सवैगन या रेनॉल्ट, मुश्किल से ही चीनी प्रतिस्पर्धा का सामना कर पा रहे हैं। स्टील में, चीन वैश्विक बाजार में बहुत सस्ते उत्पादों की बाढ़ ला रहा है। चीन के साथ समझौता, मुक्त व्यापार या सीमित व्यापार, सबसे अच्छा आत्मघाती कदम होगा।

भाजपा संगठनात्मक रिपोर्ट भारतीय संस्कृति कार्यक्रम मु य समाचार भारतीय इतिहास की किताबें वाहन फिटनेस उपकरण बॉलीवुड समाचार समाचार संग्रह इस परिस्थिति में, भारत शायद एक सुरक्षित दांव लगता है।

अभी भारत इतना शक्तिशाली या बड़ा नहीं है कि पूरे यूरोपियनों को धमकाने के लिए तैयार हो। फिर भी, यह अकेला ऐसा देश है जिसके पास इतनी ताकत है— एक बड़ी आबादी, एक युवा ग्रुप और बढ़ता हुआ मध्य वर्ग जो और भी बेहतर उत्पादनों की मांग कर रहा है। भारत के पास बड़े बाजार का फायदा है। हैरानी की बात नहीं है कि ज़्यादा से ज़्यादा आर्थिक वर्ग भारत के साथ व्यापार समझौता करना चाहते हैं।

इसलिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्र प के ताजा हमले के संदर्भ में, भारत उनके लिए एक आदर्श पसंद बन गया। डोनाल्ड ट्रंप की उस धमकी के जवाब में जिसमें उन्होंने ग्रीनलैंड पर अमेरिका के एकतरफा कब्जे के खिलाफ डेनमार्क और ग्रीनलैंड का समर्थन करने पर यूरोप पर और 10प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी, यूरोपियन कमीशन ने भारत के साथ व्यापार समझौते को %सभी ट्रेड डील्स की मां% करार देने का ऐलान किया। ईयू ट्रंप को यह भी दिखाना चाहता है कि समझौता बातचीत से होते हैं, धमकियों और दबाव से नहीं। ईयू जनवरी के आखिर तक भारत के साथ समझौता पक्का करना चाहता है। इसमें दोनों महाद्वीपों के कुल दो अरब लोग शामिल होंगे, जो वैश्विक जीडीपी का एक चौथाई हिस्सा संभालेंगे। जब अमेरिका अपने साथियों की बुराई कर रहा था, तब यूरोप नए विकास केन्द्र और भविष्य की आर्थिक ताकतों के साथ मिलकर काम करना चाह रहा था। वैश्विक अर्थव्यवस्था के इस नए शक्ति के खेल में, भारत ने ईयू के हिसाब-किताब में एक केन्द्रीय जगह ले ली है। दोनों पक्ष इस समझौते पर लंबे समय से काम कर रहे थे, लेकिन अमेरिका को संदेश भेजने के लिए इस समय इसे तेज़ी से आगे बढ़ाया गया।

वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम के मंच से, जो बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेशन्स के प्रमुखों, बैंकरों, फाइनेंसरों और निर्णय करने वालों जैसे दुनिया के बड़े और ताकतवर आर्थिक खिलाड़ियों का जमावड़ा है,वॉन डेर लेयेन एक संदेश देना चाह रही थीं जो डोनाल्ड ट्रंप के यूरोप पर हाल ही में किए गए हमले के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका को दिया गया था। वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप भारत के साथ बड़े आर्थिक रिश्ते बनाने की उ मीद कर रहा है, जो तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यूरोप भारत के बढ़ते हुए बड़े आर्थिक रिश्तों का फायदा उठा रहा है। भारत के बाज़ारों में कई तरह के उत्पादन पेश कर रहा है और साथ ही भारत को अपना सर्वोत्तम दे रहा है। चूंकि भारत-अमेरिका व्यापार बातचीत अधर में है, ऐसी पृष्ठभूमि में, वॉन डेर लेयेन ने बताया कि दोनों के बीच इस व्यापार समझौते से, ईयू को एक ऐसे क्षेत्र में फर्स्ट मूवर एडवांटेज़ मिलेगा जो बहुत तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक अवसर प्रदान कर रहा है।

भारत-ईयू व्यापार समझौते के परिणाम स्वरूप, यूरोप के उत्पादनों की पूरी रेंज बहुत कम टैरिफ के आधार पर भारत में प्रवेश पाएगी, जिससे भारत में बढ़ते मध्य वर्ग के बाजार के बड़े हिस्से खुल जाएंगे। साथ ही, ईयू भारत की व्यापार संबंधी चिंताओं के प्रति संवेदनशील रहा है। इन संवेदनशीलता को देखते हुए, भारत-ईयू समझौता कृषि क्षेत्र, चीनी उद्योग और कई अन्य उत्पादनों को कवर नहीं करेगा। यूरोपीय स्पिरिट्स और वाइन पर ऊंचे टैरिफ भारत द्वारा कम किए जाएंगे। जबकि यूरोप के कुछ भौगोलिक संकेतकों को व्यापार समझौते से बाहर रखा जाएगा। यह घोषणा तेज़ी से आगे बढ़ने और दुनिया की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन की पहचान पर आधारित एक नई व्यवस्था की आवश्यकता पर ज़ोर देती है। इसमें कोई शक नहीं कि भारत कई यूरोपीय देशों की तुलना में कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण खिलाड़ी है, जो इक्कीसवीं सदी में छोटे पड़ गए हैं।

ये हल्के डुबाने वाले

संजीव परसाई

एक नाव में पचास लोग सवार थे, जिनमें दस बुद्धिजीवी थे। नाव में छेद हो गया और पानी भरने लगा। सबने सोचा कि वजन कम हो तो बचने की संभावना ज़्यादा होगी। वे नाव से समान फेंकने लगे, फिर भी वज़न कम न हुआ। तो बुद्धिजीवियों पर नज़र गई, उनके पास फेंकने को कुछ नहीं था। जान, और स मान बचाने के लिए बुद्धिजीवियों ने अपनी बुद्धि को नदी में फेंक दिया। नाव हल्की हो गई, सब सुरक्षित पार उतर गये। आज का दौर इसी तरह यथासंभव हल्के होने का दौर है।

आर्किमिडीज़ के सिद्धान्त को मानें तो हल्के और भारी का अंदाजा लगाना बहुत आसान है। जो डूबे सो भारी, तैरता रहे तो हल्का। लेकिन अगर बात मनुष्य की हो तो ये बड़ा मुश्किल हो जाता है। आखिर कितनों को डुबा-डुबा कर परखेंगे। तैरते रहने का ये मंत्र आज के दौर में बड़े काम का है। भारी होगा तो उसका अंत तय है। हल्का है तो किसी न किसी के सहारे किनारे लग ही जाएगा। अगर किनारे न लगा तो भी कम से कम डूबेगा तो नहीं। राजनीति में हल्के लोगों की बड़ी कदर है। भारी को ढोने कोई तैयार नहीं है। सबको ऐसे लोग चाहिए जो भारहीनता में सिद्धहस्त हों, उड़ते फिरें, आनंद लें और वैचारिक भार से मुक्त हों।

मु य शीर्षक हल्का होना एक निजी अनुभव है, इसका निरंतर अ यास जरूरी है। यह अगर स्थाई नहीं है, तो बड़ा मुश्किल होगा। कल्पना करो, कि जिस आदमी को हल्का जान कांधे पर बिठाया, उसका वजन अचानक बढ़ जाये तो क्या हो। एक नेता जी ने सार्वजनिक मंच से विरोधी पक्ष को गाली बक दी। फ़जीहत हुई तो ऊपर वाले के कहने पर खेद भी जता दिया। दो दिन बाद ऊपर वाले का मन बदल गया उसने कहा फिर बक दो, अबकी बार उसने विरोधी को नहीं अपने नेता का ही अपमान कर दिया। इस घटना के दो पहलू हैं - एक तो पहले वो हल्का था, दूसरी बार में अचानक उसका भार बढ़ गया। हल्के होने पर वो विचार शून्य था, लेकिन दूसरी बार उसने अपना दिमाग चला दिया।

एक कुलपति ने आमंत्रित लेखक को ही कार्यक्रम से बाहर करवा दिया। सब शुक्र मना रहे हैं, वो धकिया भी सकते थे। लेखकों को अब लेखकीय गरिमा को घर पर छोड़कर ही निकलना चाहिये। मंच की आस में थर्माकोल के ढेर पर क्या बैठना। इस संवेदना शून्य मजमे में विक्रम का नैसर्गिक न्याय संभव नहीं है, क्योंकि उसके अंदर सिंहासन नहीं सिर्फ और सिर्फ कचरा है। ज्ञानार्जन का दौर तो अब रहा नहीं। चाटुकार सार्वजनिक मंचों की शोभा बढ़ा रहे हैं। नपुंसक लोग लैंगिक समानता पर, फ़ुरसतिया लोग काम के घंटे बढ़ाने, भ्रष्टाचारी शुचिता पर और व्हाट्सएप ज्ञानी लेखन पर ज्ञान बांट रहे हैं। सो अब खुले दिमाग की कोई ज़रूरत नहीं है।

बुद्धिजीवी बेमतलब का वजन ढ़ो रहे हैं। अकेला ही चला था जानिबे मंजिल, लोग मिलते गए कारवां बनता गया से खुद को प्रेरित कर रहे हैं। अब पीछे पलट कर देख रहे हैं, तो कौन सा कारवां, कौन लोग, असल में कोई है ही नहीं। अकेले ही भागे चले जा रहे हैं। जिसे कारवां समझ रहे हैं, असल में वो तो अपना ही अहम है - बस उड़ती हुई धूल। जिनकी आवाजें आ रहीं हैं, वो लोग तो असल में हैं ही नहीं। बस आवाज हैं।

विज्ञान कहता है, गुरुत्वाकर्षण का पूरा लाभ तब मिलेगा जब भार नीचे की ओर हो। इसलिए हमने सिर को हल्का कर दिया है। खुला दिमाग, अलहदा सोच, गांभीर्य के बोझ से शारीरिक संतुलन बिगड़ जाता है। आज ऐसे लाखों कंकर पत्थर बिखरे हुए हैं, जो बहाव में बहे जा रहे हैं। उनको इस बात से फ़र्क नहीं पड़ता कि वे नदी में हैं, तालाब में या किसी नाले में। जिन्होंने अपने वजन हल्के कर लिए हैं, वो सुकून में हैं। असल में दौर उनका ही है। हल्का एक धक्के भर से आगे निकल जाएगा। एक दिन सारे हल्के मिलकर उसे महान चुन लेंगे। तब हल्के होने का अर्थ घटिया न होगा। चिंता उस दिन की भी है, जब ये हल्के ही जहाज़ डुबाने की वजह बन जाएंगे। बहरहाल ये सरोकार और संवेदनाओं के समापन का दौर है। जो बचा है, उसे समेटकर, बचाकर रखने का दौर है। हल्केपन का उत्सव मनाने, भारी को ठेंगा दिखाने और अपमानित करने का समय है। समय सबका वज़न तय करेगा। अगर भारीपन नकली है, तो वो हल्के आघात से भी घिसेगा। ओस से भी घुलेगा। ये क्षरण धूल पैदा करेगा और ये धूल आंखों में किरकिरी।

न्याय देकर छीनने की नाइंसाफी

विलंबित न्याय, न्याय से वंचित होने के समान है, काफी प्रचलित मुहावरा है। मगर न्याय देकर छीनने को क्या कहा जाए, इसके लिए भी कोई जुमला गढ़ने की जरूरत है। जिस तरह उन्नाव बलात्कार मामले के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को मिली उम्रकैद की सजा निलंबित की गई है और ऊपर से जमानत भी दे दी गई है, उसके बाद ऐसा ही लग रहा है कि न्याय के नाम पर क्या पीड़िता के साथ छलावा हुआ है। जैसे सीताजी की अग्निपरीक्षा लेने के बाद भी उनका परित्याग श्री राम ने किया था, जिसके बाद आखिरकार उन्हें धरती की शरण में ही जाना पड़ा, उसी तरह उन्नाव बलात्कार कांड की पीड़िता को नाइंसाफी से गुजरना पड़ रहा है। कायदे से तो जिस महिला पर उत्पीड़न हुआ है, उसकी न कोई परीक्षा लेनी चाहिए, न उसे किसी शर्मिंदगी का एहसास कराया जाना चाहिए। लेकिन समाज ऐसा ही है, जो बलात्कार पीड़िता को लगातार ये याद दिलाता है कि उसकी इज्जत अब छीन ली गई है, वह समाज में सिर उठाकर जीने लायक नहीं है। जबकि सिर झुकाकर सजा भोगने का काम अपराधी का होता है। दुख की बात ये है कि इस बार अपराधी न्यायालय के आदेश से सलाखों के बाहर आया है। हालांकि सबने देखा है कि उसे सलाखों के पीछे डालने में कितना वक्त और कितनी ताकत लगी।उप्र के उन्नाव जिले में 11 से 20 जून 2017 के बीच एक नाबालिक लड़की को अगवा कर बलात्कार के गंभीर आरोप विधायक कुलदीप सिंह सेंगर पर लगे थे। लेकिन सेंगर को गिर तार करने में साल भर का वक्त लग गया। क्योंकि स्थानीय पुलिस सेंगर और उसके साथियों को बचाने में लगी थी। इस बीच पीड़िता के पिता पर सेंगर के लोगों की शिकायत पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिर तार किया गया, जिसमें हिरासत में ही उनकी मौत हुई। उत्पीड़ना का ये सिलसिला यहीं नहीं थमा, फरवरी 2018 में सेंगर को गिर तार तो किया गया, लेकिन 2019 में पीड़िता अपने रिश्तेदारों और वकील के साथ जिस कार में जा रही थी, उसे एक बिना नंबर प्लेट की ट्रक ने ठोकर मारी, जिसमें पीड़िता की दो महिला रिश्तेदारों की मौत हो गई, जो इस केस में अहम गवाह भी थीं। इसमें पीड़िता की जान बच गई। 28 जुलाई 2019 की इस सड़क दुर्घटना के बाद 29 जुलाई 2019 को सेंगर और नौ अन्य के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज हुई। फिर 30 जुलाई को पीड़िता का भारत के मु य न्यायाधीश को लिखा पत्र सार्वजनिक हुआ। 31 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने पत्र का स्वतः संज्ञान लिया। 1 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़े पांच केस दिल्ली स्थानांतरित करने का आदेश दिया। 20 दिसंबर 2019 को ट्रायल कोर्ट ने सेंगर को आजीवन कारावास और 25 लाख रुपये जुर्माने की सज़ा सुनाई गई। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि सीबीआई पीड़िता और उसके परिवार के जीवन और स्वतंत्रता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त क़दम उठाए। इसमें ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित आवास और पहचान बदलने की व्यवस्था भी शामिल हो।लेकिन छह साल पहले जिसे पीड़िता के लिए न्याय समझा जा रहा था, उसे पलटते हुए अब दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने मंगलवार 23 दिसंबर को सेंगर की सज़ा निलंबित कर दी है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन की बेंच ने पूर्व विधायक को 15 लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के तीन ज़मानतदार पेश करने का निर्देश दिया। जमानत की कुछ शर्तें भी हैं, जैसे सेंगर को दिल्ली में ही रहना होगा, हर सोमवार पुलिस के सामने रिपोर्ट करना होगा और पीड़िता जहां भी हो, उसके पांच किलोमीटर के दायरे में फटकना नहीं होगा। अदालत ने कहा, किसी भी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में ज़मानत (सज़ा निलंबन) रद्द कर दी जाएगी। अब ये पता नहीं कि सेंगर को पीड़िता से दूर रखने के लिए पांच किमी की माप जोख हर बार कैसे की जाएगी। अदालत को इस पहलू पर भी विचार करना चाहिए था कि सेंगर जैसे लोग अपने राजनैतिक रसूख का इस्तेमाल कर जब पुलिस-प्रशासन को अपने इशारों पर नचा सकते हैं तो खुद न सही किसी और के जरिए पीड़िता के पास तक पहुंचने या उसे डराने-धमकाने से कैसे रोका जा जाएगा।

यह महज संयोग नहीं थे कि पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत हुई और बाद में उसकी गाड़ी को भी ट्रक से कुचलने की कोशिश हुई। यह रसूखदार व्यक्ति को बचाने की खतरनाक साजिश लगती है। लेकिन कुलदीप सेंगर को जमानत देकर, उसकी उम्रकैद निलंबित कर पीड़िता के लिए खतरे बढ़ा दिए गए हैं। गौरतलब है कि सेंगर की सज़ा निलंबित होने के कुछ ही घंटों बाद पीड़िता, उनकी मां और महिला अधिकार एक्टिविस्ट योगिता भयाना ने मंगलवार को इंडिया गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन पुलिस ने यहां भी उन्हीं को प्रताड़ित किया और जबरन धरने से उठा दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को देखते हुए सेंगर को ज़मानत दी गई है। ताकि उनकी पत्नी चुनाव लड़ सकें।

विविध समाचार

पंजाब सरकार राज्य को तम्बाकू मुक्त बनाने के लिए वचनबद्ध : बलबीर सिंह

चंडीगढ़ ०४/०२ (संवाददाता): मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा– निर्देशों अनुसार पंजाब को तम्बाकू मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरु किए अभियान के चलते पंजाब के स्वास्थ्य और परिवार भलाई मंत्री डा. बलबीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में हुक्का बार पर पाबंदी लगाने सहित तम्बाकू कंट्रोल में मिसाली काम किए गए है। डा. बलबीर सिंह इम्पलीमैंटेशन आफ डब्लयूएचओ– ऐमपावर एंड फ्रेमवर्क कनवैनशन आन तम्बाकू कंट्रोल (डब्लयूएचओ एफसीटीसी) आर्टीकल 5. 3 विषय पर करवाई तीन दिवसीय राष्ट्रीय वर्कशाप के उद्घाटन उपरांत सभा को संबोधन कर रहे थे। यह वर्कशाप डिपार्टमैंट आफ कम्युनिटी मैडिसन एंड स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के रिसोर्स सैंटर फार तम्बाकू कंट्रोल (आरसीटीसी) और वाईटल स्ट्रैटिजीज के सहयोग के साथ करवाई गई थी। होटल माऊंटव्यू में करवाई इस वर्कशाप में 12 अलग– अलग राज्य से 35 डेलिगेट्स ने भाग लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पंजाब देश का पहला राज्य है जिसने डब्लयूएचओ फसीटीसी आर्टीकल 5.3 को लागू करने के लिए इमपारवरड समिति का गठन किया था। उन्होंने कहा कि पंजाब ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के अंतर्गत ई–सिगरेट को अप्रवानित नशा घोषित करने वाला पहला राज्य भी है। उन्होंने कहा कि राज्य के कुल 865 गाँवों ने पंचायतों द्वारा प्रस्ताव पास होने उपरांत स्वंय को तम्बाकू मुफ्ध्त गाँव घोषित किया गया है। सेहत मंत्री ने आरसीटीसी टीम को 2018 से तम्बाकू कंट्रोल में अग्रणी भूमिका निभाने और इस महत्वपूर्ण वर्कशाप के आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने आरसीटीसी के विषय– आधारित न्यूजलेटर 'तम्बाकू– फ्री टाईमज' का 29वें ऐडीशन जिसमें देश की तम्बाकू कंट्रोल गतिविधियों में डिजिटल दखध्ल के बढिया अभ्यासों को संकलित किया गया है, भी जारी किया। डिपार्टमैंट आफ कम्युनिटी मैडिसन और स्कूल आफ पब्लिक हैल्थ और आरसीटीसी के डायरैक्टर प्रो. सोनू गोयल ने डब्लयूएचओ फसीटीसी आर्टीकल 5.3 की स्थिति, तम्बाकू के प्रयोग को रोकने के लिए अलग– अलग राज्यों द्वारा किए जा रहे यत्नों और इनसे शिक्षा लेने की महत्ता के बारे में विस्तार के साथ बताया। उन्हों ने पूरी सरकारी पहुँच के द्वारा तम्बाकू कंट्रोल को मजबूत करने, नैटवर्किंग और हिस्सेदारी को बढ़ाने और आरसीटीसी के द्वारा उपलब्ध स्रोतों जिसमें आनलाइन कोर्स और प्रकाशन शामिल है, के विस्तृत विवरण पर जोर दिया। उन्होंने तम्बाकू ऐंडगेम हब जिसका उदेश्य आर्टीकल 5.3 पर राज्य– विशेष नीतियों को विकसित करना और सूबा स्तरीय निगरान प्रणाली स्थापित करना है, के निर्माण के बारे में बताया। अतिरिक्त डिप्टी डायरैक्टर जनरल और डायरैक्टर ईएमआर, स्वास्थ्य और परिवार भलाई मंत्रालय, भारत सरकार डा.एल सवासतीचरन ने आर्टीकल 5.3 की महत्ता और इसको लागू करने में तेजी लाने के लिए इस प्रकार की वर्कशाप की जरूरत संबंधी चर्चा की।

किसी गांव में पीने वाले पानी की समस्या ना आए : जिम्पा

चंडीगढ़ ०४/०२ (संवाददाता): पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा– निर्देशों अधीन पंजाब के जल स्पलाई और सैनीटेशन मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने आज यहाँ पंजाब भवन में विभाग के कामों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने सख्त शब्दों में कहा कि गर्मी के इस मौसम में किसी भी गाँव वासी को पानी की कोई किल्लत न आए और जिन इलाकों में पीने वाले पानी की स्पलाई उचित नहीं है वहाँ तुरंत परिवर्तनी प्रबंध किए जाएँ। उन्होंने पंजाब में कार्य अधीन 15 नहरी पानी योजनाओं को निश्चित समय में पूरा करके लोक अर्पित करने के आदेश भी जारी किए। इस मौके जल स्पलाई और सैनीटेशन मंत्री को बताया गया कि 2940 करोड़ रुपए की लागत से पंजाब के अलग– अलग इलाकों में 15 नहरी पानी आधारित योजनाएं कार्य अधीन है। इनमें से ज्यादातर योजनाएं इसी साल के अंत तक चालू हो जाएंगी और कुछ योजनाएं अगले साल तक चलने की संभावना है। इन योजनाओं के शुरू से 1706 गाँवों के 4 लाख 33 हजार 55 घरों के 24 लाख 73 हजार 261 लोगों को लाभ मिलेगा। जिम्पा ने हिदायत दिए कि नहरी पानी आध ाारित इन योजनाओं को समय पर पूरा करके लोक अर्पित किया जाए ताकि प्रत्येक गाँव वासी तक साफ पानी की स्पलाई सुनिश्चित हो। जिम्पा ने उच्च अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि आवाम समर्थकीय कार्यध्योजनाएं लोक अर्पित करने मौके स्थानीय प्रतिनिधियों जैसे कि विधायक, एम.सी. , सरपंच– पंच आदि को जरूर शामिल किया जाए। इस मौके उन्होंने पहले से जारी योजनाओं, आर.ओ प्लांटों, ट्यूबवैलों और अन्य कार्यों के बारे में भी जानकारी हासिल की और जरूरी दिशां– निर्देश जारी किए। ब्रम शंकर जिम्पा ने होशियारपुर के बजवाड़ा सिवीरेज प्रोजैक्ट बारे भी जानकारी ली। उनको बताया गया कि इस प्रोजैक्ट के पूरा होने की समय सीमा अगस्त 2025 है। जिम्पा ने कहा कि यह प्रोजैक्ट हर हाल में निर्धारित समय में पूरा करके लोक अर्पित किया जाए। जल स्पलाई और सैनीटेशन मंत्री ने देहाती इलाकों में कूड़ा प्रबंधन के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की हिदायत भी की। मीटिंग में प्रमुख सचिव नीलकंठ अवहद, विभाग प्रमुख अमित तलवाड़, सभी चीफ इंजीनियर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हिमाचल सरकार ने पूरा किया महिलाओं को 1500 रुपये देने का वादा– मुकेश अग्निहोत्री

ऊना ०४/०२ (संवाददाता): उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने महिलाओं को 1500–1500 रुपये देने का अपना वादा पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी प्रदेश की जनता को गुमराह कर रही थी। बीजेपी वाले महिलाओं को कहते थे कि 1500 रुपये के लिए फॉर्म भरने में अपना समय बर्बाद ना करें। लेकिन जिला के जिन लोगों ने राज्य सरकार पर विश्वास जताया उनको आज जून की तिमाही के 4500–4500 रुपये एकमुश्त खाते में डाले गए हैं। उप मुख्यमंत्री ने हरोली के कांगड़ में बुधवार को हुए सम्मान निधि ा वितरण के शुभारंभ समारोह में विशाल जनसमूह को संबोधि ात करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये देने के अपने वायदे को पूरा किया है। उन्होंने इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख सम्मान निधि योजना में सम्मान निधि पाने वाली लाभार्थी महिलाओं को बधाई दी, वहीं महिला कल्याण के इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सुक्खू का आभार जताया। उन्होंने कहा कि योजना के पहले चरण में ऊना जिले की करीब सवा 7 हजार महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं, उन्हें 3 करोड़ 27 जाख 60 हजार रुपये वितरित किए गए हैं। बता दें, कांगड़ में हुए इस समारोह में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। समारोह में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनीराम शांडिल तथा चिंतपूर्णी के विधायक सुदर्शन बबलू भी उपस्थित रहे।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार पार्टी की पहचान देख कर पैसे नहीं डालती। महिला किसी भी पार्टी की हो प्रत्येक पात्र महिला 1500 रुपये की हकदार है और उनके खाते में पैसे डाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जब 1 अप्रैल से प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपये डालने का कार्य आरंभ किया था, तब विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने इसमें अड़ंगा लगवा दिया और उनकी शिकायत पर चुनाव आयोग ने 15 सौ रुपये को महिलाओं के खाते में डालने पर रोक लगा दी थी। लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्दर सिंह सुक्खु ने फैसला किया कि महिलाओं को किए गए वायदे के अनुरूप अप्रैल, मई और जून माह की किश्तें एक साथ दी जाएंगी। यह मुख्यमंत्री की जनहितैषी सोच को दिखाता है। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि बीजेपी ने सरकार को गिराने की भरपूर कोशिश की लेकिन उनके सभी पैंतरे विफल रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार की लोकप्रियता का पैमाना उसका वायदा होता है और राजनेता की जुबान सबसे बड़ा भरोसा होता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री या कैबिनेट मंत्रियों द्वारा किए गए वायदे पूर्ण होने पर जनता का विश्वास सरकार पर बनता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की जनता से जो दो बड़े वायदे किए थे, उन्हें पूरा कर लिया गया है। पहला वायदा पूरा करते हुए प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करके उनके बुढ़ापे को सुरक्षित बनाया है। और अब महिलाओं को 1500 रुपये देने के बवायदे को पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की डोर एक ऐसी ईमानदार सरकार के हाथ में है जो अपने राज्य की जनता के हित में किए गए वायदों को पूर्ण करती है। उप मुख्यमंत्री ने हरोली की जनता का आभार जताते हुए कहा कि हरोली क्षेत्र की जनता ने उन्हें लगातार 25 वर्षों से सेवा करने का मौका दिया है। हम कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। हरोली की जनता ने 1500 रुपये की बात पर विश्वास जताया और सबसे आगे बढ़कर फार्म भरे । इसी का नतीजा है कि जिले की करीब सवा 7 हजार लाथार्थियों में से करीब साढ़े 5 हजार लाभार्थी महिलाएं अकेले हरोली विस क्षेत्र की ही हैं। उन्हें समारोह में 4500–4500 रुपये प्रदान करते हुए करीब 2. 50 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

राजा वडिंग को पुलिस विभाग में तबादलों से परेशानी क्यों : कंग

चंडीगढ़ ०४/०२ (संवाददाता): 'आप' ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग्ं द्वारा पंजाब पुलिस विभाग में तबादलों को लेकर जताई गई आपत्तियों पर सवाल उठाया है। आप ने कहा कि यह एक आम सरकारी प्रक्रिया है, लेकिन राजा वडिंग्ं की परेशानी से संकेत मिलता है कि इन तबादलों के कारण शायद उनके निजी हित को क्षति पहुंच रही है। बुधवार को चंडीगढ़ पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के नवनिर्वाचित सांसद एवं आप पंजाब के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि मान सरकार को आम लोगों से फीडबैक मिला था कि कुछ पुलिस कर्मी नशे के धंधे में शामिल हैं, इसलिए इस धंधे पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारी संख्या में तबादला करने का फैसला किया है। कंग ने कांग्रेस नेता की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए पूछा कि इन तबादलों से वह परेशान क्यों हैं? कंग ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुलिस के साथ राजा वडिंग्ं की कुछ निजी सेटिंग है। कंग ने राजा वडिंग्ं के इस बयान की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा कि मान सरकार कांग्रेस को वोट देने वाले पुलिस कर्मियों का तबादला कर रही है। कंग ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के नेता आम तौर पर पंजाब और यहां के लोगों के मुद्दों पर चुप रहते हैं। राजा वडिंग्ं और सुनील जाखड़ लॉरेंस बिश्नोई के गुजरात जेल से सामने आए वीडियो का मुद्दा नहीं उठा रहे हैं। लेकिन वे पुलिस विभाग की कुछ नियमित कार्यप्रणाली पर आपत्ति जता रहे हैं। कंग ने कहा कि इसमें कोई शक की बात नहीं है कि कांग्रेस और भाजपा के नेता हमेशा से भ्रष्ट और माफिया लोगों को सरकारी संरक्षण देते रहे हैं।

पंजाब में सात अन्य सी.बी.जी. प्रोजैक्ट साल के अंत तक होंगे कार्यशील : अमन अरोड़ा

चंडीगढ़ ०४/०२ (संवाददाता): पंजाब को देश में स्वच्छ और हरित ऊर्जा के उत्पादन में अग्रणी राज्य बनाने के उद्देश्य से पंजाब के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इस साल के अंत तक 7 अन्य कम्प्रैस्ड बायोगैस (सी.बी.जी.) प्रोजैक्ट कार्यशील होने की आशा है। यह प्रोजैक्ट सालाना 4.20 लाख टन पराली का उपभोग करके प्रति दिन 79 टन सी.बी. जी. पैदा करेंगे। पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) द्वारा राज्य में लागू किए जा रहे प्रोजैक्टों की समीक्षा के लिए बुलाई गई मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि पंजाब सरकार ने 469.50 टन सीबीजी रोजाना की कुल सामर्थ्य वाले 38 प्रोजैक्ट अलॉट किए हैं, जिनमें फसल अवशेष– ईंधन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा पराली जलाने के मामलों को रोकने के लिए किए जा रहे यत्नों में यह प्रोजैक्ट सहायक होंगे। इसके अलावा यह प्रोजैक्ट किसानों के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत पैदा करने के साथ–साथ कौशल और गैर–कौशल कामगारों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में सी.बी.जी. प्रोजैक्टों के लिए भरपूर संभावनाएं हैं क्योंकि राज्य में हर साल लगभग 20 मिलियन टन ध ाान की पराली पैदा होती है, जिसमें से लगभग 10 मिलियन टन का ही वैज्ञानिक ढंग के साथ निपटारा किया जाता है।

पौधरोपण कर मनाया गया पंजाब एंड सिंध बैंक का 117 वां स्थापना दिवस

जालंधर ०४/०२ (संवाददाता): पंजाब एंड सिंध बैंक, शाखा न्यू ग्रेन मार्किट के समूह स्टाफ सदस्यों ने अपने समाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए शाखा के बाहर पौध ाारोपण कर धरा को हरा भरा करने का संकल्प लिया। पौधारोपण कार्यक्रम में पंजाब एंड सिंध बैंक के जोनल मैनेजर मिलिंद बुचके मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित हुए। जोनल मैनेजर मिलिंद बुचके ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण पेड़ लगाना उतना ही आवश्यक है जितना कि खाना खाना। पेड़ पौधे हमारे जीवन का आधार है, यह हमें जीवनदायिनी "ऑक्सीजन" प्रदान करते हैं। श्री मिलिंद बुचके ने सभी को वृक्षारोपण कर प्रकृति की अनमोल ध ारोहर को बचाने का भी आह्वान किया।बैंक के चीफ मैनेजर ओलिम्पन गुरदीप कुमार ने कहा कि पौधारोपण प्रति लोगों को किया जागरूक करते हुए कहा कि पर्यावरण को दूषित होने से बचाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि वायुमंडल तेजी से दूषित हो रहा है, ऐसे में यदि अब हम नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ जाएगा।बैंक के शाखा मैनेजर स. तेजा सिंह के अनुसार पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पेड़–पौधों की अधिकता जरूरी है। इसलिए हमें अध्दि ाक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण की सुरक्षा और स्वच्छता में सहयोग देना चाहिए।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार राउरकेला, गुरूवार 05 फरवरी 2026

सीएम मोहन माझी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर पीएम मोदी को बधाई दी

भुवनेश्वर ०४/०२ (संवाददाता): मुज्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और टैरिफ में कमी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी, और इस घटनाक्रम को दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में एक ऐतिहासिक प्रगति बताया।

अपने ङ्क हैंडल पर, सीएम माझी ने लिखा, भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका के आर्थिक संबंधों में एक ऐतिहासिक प्रगति, जो गहरे सहयोग और साझा समृद्धि के लिए एक मजबूत नींव रखेगी। सीएम माझी ने आगे कहा कि %मेड इन इंडिया% उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ में 18 प्रतिशत की कमी भारतीय मैन्युफैक्चरिंग, , निर्यातकों और रोज़गार सृजन के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि टैरिफ में इस कमी से भारत में उद्यमियों और स्टार्टअप्स के लिए व्यापक बाज़ार और नए रास्ते खुलेंगे।

मुज्यमंत्री ने कहा, मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को उनके निर्णायक नेतृत्व और जन-केंद्रित कूटनीति के लिए हार्दिक बधाई और धन्यवाद देता हूं, जिसने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत किया है और भारत की वैश्विक आर्थिक उपस्थिति को बढ़ाया है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, सोमवार को पीएम मोदी ने घोषणा की कि मेड इन इंडिया उत्पादों पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर पहुंच गए हैं।

प्रधानमंत्री ने सोमवार को अपने ङ्क हैंडल पर पोस्ट किया, खुशी है कि मेड इन इंडिया उत्पादों पर अब 18 प्रतिशत कम टैरिफ लगेगा।

इस शानदार घोषणा के लिए भारत के 1.4 अरब लोगों की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप को बहुत-बहुत धन्यवाद। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित बहुप्रतीक्षित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को भारतीय-अमेरिकी व्यापार नेताओं से जोरदार समर्थन मिला और नीति विशेषज्ञों से मिली-जुली लेकिन काफी हद तक सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं, जिसमें समर्थकों ने इसे एक बड़ी सफलता बताया और पूर्व अधिकारियों ने सावधानी बरतने का आग्रह किया ज्योंकि विवरण अभी भी स्पष्ट नहीं हैं। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक व्यापक व्यापार ढांचा तैयार करने के लिए वर्षों बिताए हैं.

जिसमें टैरिफ विवादों, बाज़ार पहुंच की चिंताओं और राजनीतिक टकरावों के कारण बातचीत बार-बार रुकी है। इन चुनौतियों के बावजूद, द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ा है, जो 200 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

आरएसपी के आरएमएचपी में नवोन्मेषी डी-वॉटरिंग अभियान से कोक की कमी की चुनौती पर काबू

राउरकेला ०४/०२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र के रॉ मैटीरियल्स हैंडलिंग प्लांट (आरएमएचपी) में कोक की उत्खनन को सुगम बनाने हेतु मरज़्मत एवं निर्माण (यांत्रिक) [आरसी (एम)] की कर्मठ टीम द्वारा पुराने रिफ्रैज़्टरी साइट पिट से लगभग 7.2 करोड़ लीटर पानी की निकासी से संबंधित एक विशाल डी-वॉटरिंग अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। यह पहल बेस मिज़्स की तैयारी के लिए आवश्यक नट कोक की कमी की समस्या के समाधान में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई।प्रारंभ में 5 एचपी क्षमता के तीन डीज़ल पंप लगाए गए, किंतु अत्यधिक जल प्रवाह के कारण अपेक्षित डी-वॉटरिंग दर प्राप्त नहीं हो सकी। इसके पश्चात 15 एचपी क्षमता के हेवी-ड्यूटी सबमर्सिबल पंप स्थापित किए गए। विद्युत वितरण अनुभाग के सहयोग से 460/480ङ्क थ्री-फेज विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था कर सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित किए गए। बिजली के तारों को पंप के इनटेक में उलझने से बचाने हेतु उचित रूप से ज़्लोट कर सुरक्षित किया गया। लगभग 60 फीट की जल गहराई को ध्यान में रखते हुए पंपों को सुरक्षित रूप से नीचे उतारने के लिए क्रेन की व्यवस्था की गई तथा पलटने से बचाव हेतु अतिरिक्त सावधानियाँ बरती गईं। अभियान की सतत निगरानी के लिए चौबीसों घंटे मानव संसाधन तैनात किया गया। जल स्तर कम होने और वायु सज़्शन प्रारंभ होने पर निर्बाध पंपिंग सुनिश्चित करने के लिए एफएमएम के सहयोग से सबसे निचले बिंदु पर एक सज़्प पिट विकसित किया गया। निरंतर और समन्वित प्रयासों के फलस्वरूप संचित जल को औसतन 450 घन मीटर प्रति घंटे की दर से निकाला गया, जिसके उपरांत खुदाई के लिए एफएमएम को स्थल की स्वीकृति प्रदान की गई।

इसके बाद एफएमएम द्वारा लगभग 14,000 टन कोक की सफल खुदाई की गई, जो एक उल्लेखनीय उपलज़्धि है तथा संयंत्र की परिचालन आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान है।

भुवनेश्वर आदिवासी मेला 2026: लाख की चूड़ियां बनीं आकर्षण

भुवनेश्वर ०४/०२ (संवाददाता): भुवनेश्वर में चल रहा आदिवासी मेला 2026 बड़ी भीड़ खींच रहा है, जिसमें पारंपरिक लाख की चूड़ियां बेचने वाला स्टॉल आदिवासी मेले के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक बनकर उभरा है। यह मेला, जो आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति, कला और परंपराओं को दिखाता है, खासकर शाम के समय लगातार लोगों की भीड़ देख रहा है। आगंतुक, खासकर युवा लड़कियां और महिलाएं, लाख की चूड़ियों के स्टॉल पर उमड़ रही हैं, जहाँ कारीगर पुरानी पारंपरिक तकनीकों का इस्तेमाल करके मौके पर ही चूड़ियां बना रहे हैं। यह स्टॉल मेले का मुज्य आकर्षण बन गया है, जहाँ ग्राहक चूड़ी बनाने की जटिल प्रक्रिया को देखते हैं और अपनी पसंद के डिज़ाइन और रंगों के अनुसार ऑर्डर देते हैं, जिससे लंबी लाइनें लग रही हैं। कारीगर स्थानीय रूप से कुसुमा चूड़ा नाम का एक खास गोंद तैयार करते हैं और चूड़ियों को आकार देने के लिए मुज्य कच्चे माल के रूप में लाख का इस्तेमाल करते हैं। गर्म लाख में रंगों को सावधानी से मिलाया जाता है, जिससे हर चूड़ी को एक चमकदार और अनोखी फिनिश मिलती है। चूड़ियां मौके पर ही हाथ से बनाई जाती हैं, जिनकी कीमतें डिज़ाइन और बारीकियों के आधार पर लगभग 100 रुपये प्रति जोड़ी से शुरू होती हैं।

प्रक्रिया के बारे में बताते हुए, एक कारीगर ने कहा कि हर चूड़ी को हाथ से सावधानी से गर्म करने, आकार देने और सजाने की ज़रूरत होती है। यह प्रक्रिया समय लेने वाली और नाजुक है। एक चूड़ी बनाने में भी आधे घंटे से ज़्यादा समय लगता है, कारीगर ने कहा। पारंपरिक कारीगरी के लाइव प्रदर्शन, किफायती कीमतों और मजबूत सांस्कृतिक आकर्षण के साथ, लाख की चूड़ियों के स्टॉल ने आदिवासी मेला 2026 के आकर्षण को और बढ़ा दिया है। यह मेला निवासियों और पर्यटकों दोनों को आकर्षित कर रहा है, जो आदिवासी कला और विरासत का जश्न मनाने और समर्थन करने के लिए एक अनोखा मंच प्रदान करता है।

रेल बजट में ओडिशा को रिकॉर्ड 10,928 करोड़ रुपये मिले

भुवनेश्वर ०४/०२ (संवाददाता):ओडिशा को 2026-27 के रेलवे बजट में 10,928 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है, जो पिछले साल से 329 करोड़ रुपये ज़्यादा है। 2025-26 में राज्य में रेलवे विकास के लिए बजटीय प्रावधान 10,599 करोड़ रुपये था। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस साल ओडिशा के लिए आवंटन 2009-14 की अवधि के औसत 838 करोड़ रुपये के खर्च से लगभग 13 गुना ज़्यादा है। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय विज़ मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को बजट में घोषित ईस्ट-वेस्ट फ्रेट कॉरिडोर ओडिशा से होकर गुजरेगा और छज़्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात तक जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ओडिशा के बड़े हिस्सों को कवर करेगा और राज्य के औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा। मंत्री ने कहा कि जिलों में फिलहाल 90,659 करोड़ रुपये के रेलवे काम चल रहे हैं.

मिशन शक्ति विभाग के 46,000 सीआरपी को स्मार्टफोन दिए जाएंगे

भुवनेश्वर ०४/०२ (संवाददाता): उप मुज्यमंत्री प्रवती परिदा ने सोमवार को बताया कि राज्य सरकार ने मिशन शक्ति विभाग के तहत काम करने वाले लगभग 46,000 कज़्युनिटी रिसोर्स पर्सन (CRP) को स्मार्टफोन देने का फैसला किया है। यहां सेल्फ-हेल्प ग्रुप (SHG) के लिए ज़्याज सज़्सिडी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि ष्ट्रक्रक्क्च को स्मार्टफोन दिए जाएंगे ताकि लखपति दीदी कार्यक्रम को सपोर्ट करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म स्श्चद्मह्रस् ऐप का व्यापक और प्रभावी इस्तेमाल सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने आगे कहा, इस लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए, राज्य सरकार स्॥त्रह्य को बैंक लोन पर ज़्याज वापस करके महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। परिदा ने बताया कि सरकार 1 अप्रैल को उत्कल दिवस के मौके पर मिशन शक्ति के सभी कज़्युनिटी-सपोर्ट स्टाफ को यूनिफॉर्म और पहचान पत्र भी देगी। यह बताते हुए कि यह फैसला कज़्युनिटी-सपोर्ट स्टाफ की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगा, उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद महिलाओं और कज़्युनिटी वर्कर्स को सशक्त बनाना और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाना है। राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आजीविका आधारित और दीर्घकालिक विज़ीय मॉडल पर काम कर रही है। उप मुज्यमंत्री ने कहा कि बैंक लोन के जरिए, स्॥त्र सदस्य अपने उद्यमों को आगे बढ़ा रहे हैं और ज़्याज का बोझ कम होने से उनकी आय और व्यवसायों में वृद्धि हो रही है।

राउरकेला पुलिस ने अवैध हथियार रैकेट का पर्दाफाश किया

राउरकेला ०४/०२ (संवाददाता): राउरकेला में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है, जिसमें अवैध हथियारों की तस्करी, मवेशियों की तस्करी और ज़मीन के सौदों में शामिल चार लोगों को गिरज़्तार किया गया है। खुफिया जानकारी के आधार पर, बिसरा पुलिस ने इंस्पेज़्टर मनोरंजन कुंभार और ज़ोनल ष्ठस्क्क जितेंद्र नाथ सेठी के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बनाई। टीम ने बिसरा पुलिस स्टेशन के पास गुडगुडजोर गांव में छापा मारा।

अधिकारियों ने सबसे पहले मोज़ामिल अंसारी के घर की तलाशी ली और एक देसी रिवाल्वर और ज़िंदा कारतूस बरामद किए। उससे पूछताछ में तीन और साथियों के शामिल होने का पता चला। पुलिस ने उनके घरों पर छापा मारा और हथियार, गाड़ियां और आपज़िजनक सामान ज़ज़्त किया। पुलिस ने तीन देसी बंदूकें, एक नकली खिलौना बंदूक, चार ज़िंदा गोलियां, मोबाइल फोन, एक ऑटो, एक स्कॉर्पियो स्ङ्क, मोटरसाइकिलें, लोहे की रॉड और धारदार हथियार ज़ज़्त किए। आरोपियों में मोज़ामिल अंसारी (33), समीर अंसारी (34), हसन अंसारी (50) और एमडी गुलाब (48) शामिल थे। चारों को गिरज़्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। उनकी ज़मानत याचिकाएं खारिज कर दी गईं और उन्हें जेल भेज दिया गया। जांच में पता चला कि आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में कई मामले दर्ज थे। मोज़ामिल और समीर झारखंड और ओडिशा में मवेशियों की तस्करी के लिए जाने जाते थे। पुलिस ने संगठित मवेशी माफिया और अवैध हथियारों के नेटवर्क से उनके संबंधों की पुष्टि की। ष्ठस्क्क जितेंद्र नाथ सेठी ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि आरोपी अवैध मवेशी व्यापार, हथियारों की तस्करी और ज़मीन के सौदों में गहराई से शामिल थे। पुलिस ने ऐसे नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया और नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की।

आरएसपी के इस्पात नगरी में विशाल सड़क सुरक्षा अभियान का आयोजन

राउरकेला ०४/०२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के इस्पात नगरी में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह- 2026 के अंतर्गत, नगर अभियांत्रिकी, उद्यानिकी, नगर सेवा, खेलकूद, सीएसआर, चिकित्सा तथा सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग द्वारा एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

सेज़्टर-21 के ट्रैफिक चौक पर आयोजित इस अभियान में उपर्योक्त विभिन्न विभागों के 200 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी, ठेका श्रमिक, सुरक्षा गार्ड एवं नर्सिंग स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह अभियान दोपहर 1.00 बजे से 2.00 बजे के बीच आयोजित किया गया, ताकि व्यस्त चौराहे से गुजरने वाले अधिकतम यात्रियों और निवासियों तक प्रभावी रूप से संदेश पहुँचाया जा सके।

इस अभियान का नेतृत्व मुज्य महाप्रबंधक (नगर इंजीनियरिंग एवं उद्यानिकी), श्री बी के जोजो और मुज्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवा), श्री हीरालाल महापात्र ने किया। महाप्रबंधक (सुरक्षा), श्री अबाकास बेहरा, महाप्रबंधक (नगर अभियांत्रिकी-सिविल), श्री श्रीनाथ नायक, महाप्रबंधक (नगर अभियांत्रिकी-इलेज़्ट्रिकल), श्री एम ए सिद्दीकी, महाप्रबंधक प्रभारी (सीएसआर), सुश्री मुनमुन मित्रा, श्री हरा प्रसाद पटनायक, जीएम (टीई), महाप्रबंधक (सीएसआर), श्री बिभाबसु मलिक, महाप्रबंधक (उद्यानिकी) एवं प्रभारी (जेडडीपी), डॉ. अविजित बिस्वास, तथा संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस अभियान में भाग लिया।

प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक मानव श्रृंखला बनाकर सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण संदेशों वाले तज़्तियाँ प्रदर्शित किए। इन संदेशों में यातायात नियमों का पालन, सुरक्षित सड़क व्यवहार अपनाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना, असुरक्षित ओवरटेकिंग से बचना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना, जोखिम भरे ड्राइविंग व्यवहार से दूर रहना तथा गति सीमा बनाए रखना जैसे आवश्यक पहलुओं पर जोर दिया गया।

इस पहल का उद्देश्य निवासियों और यात्रियों के बीच जिज़्मेदार सड़क व्यवहार को मजबूत करना और एक सुरक्षित एवं अनुशासित सड़क संस्कृति को बढ़ावा देना था।